www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 128 || लखनऊ
शुक्रवार
07 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 05:33
सूर्यास्तः 06:50
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 28°00



पेज 07

विशेष समाचार | मुख्यमंत्री आवास योजना ... >>पेज 04 | रेलवे ट्रैक किनारे मिला... >>पेज 06 | 'गौरव खन्ना को टीआरपी के लिए...

अभिजीत दीपके गांव-शहरों में युवाओं से बात करेंगे, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा होगी मुद्दा

कॉकरोच जनता पार्टी शुरू करेगी 'क्या बोलती पब्लिक' कैंपेन

एलान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके सितंबर से देशभर में 'क्या बोलती पब्लिक' अभियान शुरू करेंगे। दीपके ने गुरुवार को महाराष्ट्र के संभाजीनगर में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम गांव-शहर जाकर युवाओं से बात करेंगे। साथ ही, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा को मुद्दा बनाएंगे। नीट पेपर लीक को लेकर दीपके और उनकी पार्टी ने जंतर-मंतर पर 20 जून से 25 जुलाई तक, लगातार 36 दिनों तक धरना दिया था। 25 जुलाई को तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP ने धरना समाप्त करने की घोषणा की थी। अभिजीत दीपके ने कहा- CJP कोई चुनावी राजनीतिक पार्टी नहीं बनेगी, बल्कि देश के लोकतांत्रिक संस्थानों और शासन में जवाबदेही तय करने के लिए एक मजबूत पब्लिक प्रेशर ग्रुप के रूप में काम करेगी। सोशल मीडिया पर यह अभियान तेजी से वायरल हुआ और बड़ी संख्या में छात्र इससे जुड़ते गए। देखते ही देखते यह ऑनलाइन मुहिम एक संगठित छात्र आंदोलन में बदल गई। इसके बाद दीपके ने नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ ऑनलाइन आंदोलन शुरू किया और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन में सिर्फ छात्र ही नहीं, बल्कि बेरोजगार युवा भी शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, "बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है।

> दीपके बोले- बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है और इसे देशव्यापी मुद्दा बनाया जाएगा। हम शिक्षा सुधारों पर काम करेंगे। शिक्षा को मुनाफा कमाने का जरिया बना दिया गया है, लेकिन हम इस व्यवस्था को बदलना चाहते हैं।



सीजेआई के बयान के बाद ऑनलाइन कैंपेन से बनी कॉकरोच पार्टी

सुप्रीम कोर्ट की एक सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की थी। उनकी टिप्पणी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई। इसके बाद अमेरिका में पढ़ाई करने वाले अभिजीत दीपके ने विरोध के तौर पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) नाम से एक सटायर, यानी व्यंग्य के तौर पर ऑनलाइन अभियान शुरू किया। दीपके ने बताया कि देश में 60 प्रतिशत लोग 35 साल से कम उम्र के हैं और जंतर-मंतर पर विरोध करने वालों में भी ऐसे ही लोग शामिल थे।



सीजेपी का 'क्या बोलती पब्लिक' कैंपेन

महंगी शिक्षाः दीपके के मुताबिक, देश में स्कूल, कॉलेज और कोचिंग की फीस बहुत ज्यादा बढ़ गई है। इसे कम करवाने के लिए और सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए सीजेपी काम करेगी।

बेरोजगारीः देश में बेरोजगारी को एक प्रमुख मुद्दा बनाकर इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा।

संस्थागत जवाबदेहीः चुनाव आयोग, न्यायपालिका और मीडिया जैसी संस्थाओं में जनता का भरोसा बहाल करने के लिए दबाव बनाना।

36 दिन तक जंतर-मंतर पर चला सीजेपी का प्रदर्शन

दिल्ली के जंतर-मंतर पर CJP ने 20 जून से 25 जुलाई तक, लगातार 36 दिनों तक धरना दिया था। इस दौरान हजारों छात्र, अभिभावक और युवा आंदोलन में शामिल हुए।

पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हुए और भूख हड़ताल पर बैठे। 20 जुलाई को CJP ने संसद मार्च निकाला। इस दौरान छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था।

25 जुलाई को तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP ने धरना समाप्त करने की घोषणा की थी।

पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन के 4 चेहरे



अभिजीत दीपके
CJP (कॉकरोच जनता पार्टी) के संस्थापक।
- बॉस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशंस की पढ़ाई की।
- सोशल मीडिया पर सटायर के रूप में CJP की शुरुआत की।

जो बाद में देशव्यापी छात्र आंदोलन बन गया।

आशुतोष रांका
- IIT कानपुर और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के पूर्व छात्र।
- सरकार से बातचीत में सक्रिय भूमिका निभाई।



शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद भी सरकार से लिखित आश्वासन की मांग की।

सौरव दास



- पेशे से खोजी पत्रकार रहे हैं। CJP के चीफ स्पोक्सपर्सन।
- हिंसा, पुलिस चोटों और आंदोलन में फैली अफवाहों का जवाब दिया।

प्रदर्शन की तारीख, मांगें, सरकार से बातचीत।

सोनम वांगचुक
- शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक इस आंदोलन के 'नैतिक कमांडर' बने।
- 6 जून से पहले भीड़ बंटी थी। वांगचुक के आने से एकजुट हुए।



28 जून से उनका अनशन आंदोलन का स्थायी मंच बना। वांगचुक की भूख हड़ताल से सरकार पर दबाव बना।

अभिजीत ने कहा था- देश को प्रेशर ग्रुप की जरूरत

बैठक के पहले दिन 5 अगस्त को दीपके ने कहा था कि देश को इस समय किसी नए राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि एक मजबूत दबाव समूह (प्रेशर ग्रुप) की जरूरत है। दीपके के मुताबिक, बैठक में जंतर-मंतर आंदोलन की समीक्षा, ई-20 पेट्रोल, शिक्षा व्यवस्था, संगठन विस्तार और देशभर में आगे के आंदोलनों की रणनीति पर चर्चा की जा रही है।

क्या मुझे रिजिजू से सीखना पड़ेगा : मल्लिकार्जुन खड़गे

सदन में बोलना मेरा अधिकार, रिजिजू ने कहा- नए सांसदों को भी मौका दें

- विपक्ष ने संसद परिसर में अमित शाह के खिलाफ पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया और 20 जुलाई को छात्रों पर पुलिस कार्रवाई मामले पर जवाब की मांग की।
- दिल्ली में बारिश के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा संसद परिसर में बातचीत करते नजर आए।



बहस

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह से छात्र आंदोलन पर पुलिस कार्रवाई को लेकर बयान की मांग पर नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच तीखी बहस हुई। खड़गे ने सभापति से गृहमंत्री को सदन में बुलाने के लिए आदेश देने की अपील की। इस पर रिजिजू ने खड़गे पर विपक्ष के नेता के पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। खड़गे ने कहा, 'क्या अब मुझे रिजिजू से सीखना पड़ेगा। वे चेयरमैन के चेंबर में जाकर बोलते हैं कि रोज मैं ही यहां आकर बोलता हूं। अगर मैं नियम नहीं पढ़ूंगा तो क्या उनकी दी हुई चीजें पढ़ूं? खड़गे ने कहा, 'क्या बोलना है, कब बोलना है और कैसे बोलना है, यह तय करना मेरा अधिकार है।

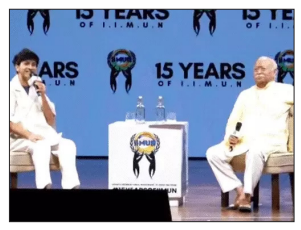
>> (शेष पेज 06 पर)

जेन-जी हमारी पीढ़ी से ज्यादा ईमानदार और देशभक्त : भागवत

हमें उनकी बात समझनी चाहिए, उनसे बात नहीं हुई तभी तो आंदोलन हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। संघ प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है। उन्होंने कहा- हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। भागवत मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में किए जा रहे एक कार्यक्रम में बोल रहे हैं। इसका आयोजन इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस यानी IIMUN अपनी 15वीं वर्षगांठ पर किया है। NEET पेपर लीक के खिलाफ देशभर में प्रदर्शनों के बाद इसे RSS का युवाओं के साथ सबसे



अहम संवाद माना जा रहा है। जंतर-मंतर पर 36 दिन चले आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। 8. पाकिस्तान-चीन से बातचीत बंद होने परः लड़ाई के समय हमें सरकार का साथ देना चाहिए। लेकिन जब एक बार लड़ाई खत्म हो जाए, तो बातचीत का रास्ता ढूंढना चाहिए। क्योंकि लड़ाई परमानेंट नहीं होती। 9. सेम-सेक्स मैरिज परः चल रहे सिस्टम को छेड़ा जाए, तो दिक्कत पैदा हो जाएगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

भाजपा नेता बोले- कार्यक्रम पुरानी परंपरा का हिस्सा, नई पहल नहीं

भागवत के जेन-जी और जेन-अल्फा छात्रों से बातचीत कार्यक्रम पर भाजपा विधायक राम कदम ने कहा कि भागवत हमेशा से युवाओं से संवाद करते रहे हैं। यह लंबे समय से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है, कोई नई पहल नहीं है।

फास्ट न्यूज

राहुल गांधी की जेन जी से जुड़ने की कोशिश

नई दिल्ली। पीएम मोदी के जेन-जी से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम पर लेट-नाइट रील्स पोस्ट करने के बाद अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर युवाओं से सीधे संवाद की पहल की है। राहुल ने इंस्टाग्राम पर 'Ask Me Anything' सेशन शुरू किया है, जिसमें छात्रों और जेन-जी यूजर्स को उनसे सवाल पूछने का न्योता दिया गया है।

हरियाणा में थाने के सामने 7 लोगों पर ताबड़तोड़ फायरिंग

भिवानी। हरियाणा के दादरी शहर में सिटी थाने के सामने गुरुवार को अंधाधुंध फायरिंग हुई। इस दौरान ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार 7 लोगों को गोलियां मारी गईं। सभी को सिविल अस्पताल लाने के बाद रोहतक रेफर कर दिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सिटी थाने के ठीक सामने 3 बदमाश बाइक पर बैठकर आए और गाड़ी रुकवाकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। 30 राउंड फायरिंग से ब्लैक स्कॉर्पियो को छलनी किया। गोलियों की गूंज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो सवार कोर्ट से पेशी भुगतकर आ रहे थे।

शिमला में भारी बारिश, सड़कें पानी के तालाब में तब्दील

शिमला। हिमाचल की राजधानी शिमला में दोपहर दो से सवा तीन बजे तक मूसलाधार बारिश हुई। इसके बाद बारिश का पानी सड़कों पर बहने लगा।

भारी बारिश के बीच स्कूली बच्चों को घर लौटने में परेशानी हुई। शिमला के रामपुर और किन्नौर जिला के अधिकांश भागों में भी हल्की बारिश हुई।

114 राफेल फाइटर जेट के लिए फ्रांस ने प्रस्ताव सौंपा

भारत में ही बनाने और स्वदेशी कलपुर्जे लगाने का ऑफर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रांस ने भारत को 114 राफेल फाइटर जेट देने का प्रस्ताव सौंप दिया है। 3.25 लाख करोड़ रुपए के सौदे में फाइटर जेट का बड़े पैमाने पर स्थानीय स्तर पर निर्माण और उत्पादन शामिल है। यानी इसमें लगने वाले कलपुर्जे स्वदेशी फैक्टरियों में बनाए जा सकेंगे। अब रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायु सेना इस प्रस्ताव का अध्ययन करेगी। भारत ने इस मेगा सरकारी सौदे के लिए मई महीने में फ्रांस को लेटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी किया था। फ्रांस ने इसी का जवाब दिया है। भारत की ओर से अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल के विभिन्न संस्करणों को फाइटर जेट में लगाने और जेट में स्वदेशी सामग्री के उपयोग की मांग की गई थी।



94 जेट देश में ही बनेंगे

सौदे के तहत फ्रांस को 114 में से 94 जेट का निर्माण भारत में नीय उद्योग पार्टनर के साथ करना होगा। यह काम डसॉल्ट एविएशन के सभी साझेदार मिलकर करेंगे, जिनमें मिसाइल निर्माता एमबीडीए (MBDA), इंजन निर्माता सफरान (Safran) और थेल्स (Thales) शामिल हैं।

प्रदर्शनकारी छात्र और सरकार के बीच बातचीत

11 लोगों की टीम में 2 पत्रकार और 1 वकील, परीक्षा कराने वाली कंपनी का अकाउंटेंट गिरफ्तार

प्रस्ताव

तमसा संकेत, एजेंसी

रांची। झारखंड में PSC समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी का विरोध कर रहे छात्रों को सरकार ने बातचीत का प्रस्ताव दिया है। छात्र इसके लिए तैयार हो गए। सरकार से बातचीत के लिए आज 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जाएगा। इसमें 8 छात्र, 2 पत्रकार और 1 वकील होंगे। बातचीत के दौरान सिर्फ छात्र प्रतिनिधि ही अपनी बात रखेंगे। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरना दे रहे छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि बुधवार को सरकार का प्रस्ताव लेकर आए SDO ने छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम मांगे हैं। इसके बाद बैठक की तारीख और समय तय होगा। छात्रों ने एक शर्त भी रखी कि कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद बात करें। CM हेमंत सोरेन ने बातचीत के लिए चार मंत्रियों की कमेटी बनाई है। देवेंद्र नाथ महतो समेत 6 छात्र अनशन पर हैं। वे मामले में CBI-ED जांच की मांग कर रहे हैं। बुधवार रात CID ने रांची और लखनऊ में छापेमारी कर परीक्षा संचालन करने वाली आउटसोर्स एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) के अकाउंटेंट रक्षक सिंह समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक 19 लोग पकड़े जा चुके हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)



खड़गे ने कहा- कांग्रेस छात्रों के साथ है

झारखंड में छात्र प्रोटेस्ट पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ने पहली पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस छात्रों के साथ है। झारखंड, पंजाब, दिल्ली या कहीं भी हो, राहुल गांधी जी और पूरी कांग्रेस पार्टी हमारे विद्यार्थियों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि चाहे हमारा अलाइंस पार्टनर हो या हमारा विपक्ष हो हम उनसे पूछेंगे कि गलती कहां और क्यों हुई। हम सभी को पत्र लिख रहे हैं।

छात्र क्यों कर रहे हैं आंदोलन

2 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) ने 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इसमें 2,204 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए। इसके बाद 18 से 20 जुलाई के बीच मेंस परीक्षा होनी थी। रिजल्ट आने के बाद कई उम्मीदवारों ने गड़बड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना था कि कट-ऑफ जारी नहीं की गई। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक उम्मीदवार की कथित OMR शीट वायरल हुई।



- अनशन पर बैठे देवेंद्रनाथ महतो का ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल गिर गया, जिसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें स्लाइन चढ़ाई।
- अनशन कर रहे छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो ने बुधवार को वीडियो कॉल पर सोनम वांगचुक से बातचीत की।

फैसला : सीएम योगी बोले- जिन्हें कांग्रेस-सपा ने कभी नहीं पूछा, मोदी जी ने उन्हें पूजा, घुमंतू समाज अब 'टिकंतू' बन रहा

यूपी में बना घुमंतू विकास बोर्ड

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब घुमंतू समाज (जिनका कोई स्थायी घर या एक जगह पक्का ठिकाना नहीं होता) को दर-दर की ठोकरें नहीं खानी पड़ेंगी। राज्य की योगी सरकार ने घुमंतू समुदायों के उत्थान के लिए 'घुमंतू विकास बोर्ड' का गठन कर दिया है। कैबिनेट के इस फैसले के बाद गुरुवार को विमुक्त और घुमंतू समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। इस मौके पर सपेरा समाज के लोगों ने पारंपरिक बीन बजाकर और 'योगी बाबा जिंदाबाद' के नारों के साथ CM का स्वागत किया।

>> (शेष पेज 06 पर)



> कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- अंग्रेजों ने 1871 में 'क्रिमिनल ट्राइब एक्ट' बनाकर उन देशभक्त समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया था, जिन्होंने देश की आजादी के लिए लड़ाइयां लड़ीं। आजादी के बाद बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने उस कलंक को मिट-ाकर इन्हें सम्मान दिलाया, लेकिन पिछली सरकारों ने इनके विकास पर ध्यान नहीं दिया।



क्या काम करेगा नया घुमंतू विकास बोर्ड?

हर समाज को मिलेगा मौकाः बोर्ड में सपेरा, मुसहर, वनटांगिया, थारू, बुक्सा, कोल, सहरिया जैसी सभी जातियों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा, ताकि उनकी आवाज सीधे सरकार तक पहुंचे।

सरकारी योजनाओं की 100% कवरेजः राशन कार्ड, जमीन के पट्टे, पीएम-सीएम आवास, आयुष्मान कार्ड, मुफ्त बिजली-गैस कनेक्शन और सभी पेंशन योजनाओं का लाभ सीधे इन तक पहुंचाया जाएगा।

आश्रम और अटल आवासीय विद्यालयः बच्चों को मुफ्त रहने, खाने और पढ़ाई के लिए आश्रम पद्धति और अटल आवासीय विद्यालयों से जोड़ा जा रहा है।

पत्रकार तेजपाल को रेप केस में 10 साल की सजा

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- 2 हफ्ते में सरेंडर करें, 2013 में साथी पत्रकार ने आरोप लगाया था

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

पणजी। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है। कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया।

>> (शेष पेज 06 पर)



तेजपाल ने कहा- सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

हाईकोर्ट के फैसले पर तेजपाल ने कहा, 'हम फैसले से बहुत निराश हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कुछ लोग तहलका और राजनीतिक बदले की भावना से 13 सालों से मेरे पीछे पड़े हैं। हमने 7.5 साल ट्रायल कोर्ट में केस लड़ा और बरी हुए थे।'

50 वर्ष पुराने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को मिलेगा अवसर, 5,000 से अधिक छात्र संख्या वाले संस्थान होंगे पात्र

उच्च शिक्षा संस्थानों में स्थापित होंगी 'भारतीय ज्ञान परंपरा संवर्धन शोधपीठ'

- प्रत्येक शोधपीठ को 5 वर्षों के लिए 2 करोड़ रुपए का एकमुश्त अनुदान, एफडी के ब्याज से होगा शोधपीठों का नियमित संचालन
- वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत सहित भारतीय ज्ञान-विज्ञान पर होगा शोध, पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट एवं शोधार्थियों को मिलेगा प्रोत्साहन
- दुर्लभ पांडुलिपियों एवं ग्रंथों का होगा डिजिटलीकरण, ओपन-एक्सेस लाइब्रेरी और एमओओसीज से वैश्विक स्तर पर होगी पहुंच

पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के अंदर भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा के मुख्य प्रवाह में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) के अनुरूप राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों तथा राजकीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में ₹भारतीय ज्ञान परंपरा संवर्धन शोधपीठ₹ की स्थापना के लिए विस्तृत नीति और दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस योजना का उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, दर्शन, विज्ञान, संस्कृति और बौद्धिक



विरासत को आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ना है। सरकार चाहती है कि नई पीढ़ी केवल आधुनिक शिक्षा तक सीमित न रहे, बल्कि भारतीय ज्ञान-विज्ञान, दर्शन और सांस्कृतिक मूल्यों को भी समझे तथा उन पर शोध कर विश्व स्तर पर नई पहचान स्थापित करे। शोधपीठों के माध्यम से भारत के महान ऋषियों, मनीषियों, वैज्ञानिकों, दार्शनिकों एवं समाज सुधारकों के विचारों का अध्ययन, अनुसंधान और व्यापक प्रसार किया जाएगा। इससे उत्तर प्रदेश भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और वैश्विक प्रचार-प्रसार का अग्रणी केंद्र बन सकेगा।

50 वर्ष पूर्ण कर चुके विश्वविद्यालय और महाविद्यालय कर सकेंगे आवेदन

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि शोधपीठों की स्थापना के लिए स्पष्ट पात्रता मानक निर्धारित किए गए हैं। केवल वे विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय आवेदन कर सकेंगे, जिनकी स्थापना को कम से कम 50 वर्ष पूरे हो चुके हों। इसके साथ ही संस्थान में वर्तमान छात्र संख्या 5,000 से अधिक होना आवश्यक होगा तथा यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 2(f) एवं 12(B) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त होना अनिवार्य होगा। योगी सरकार प्रत्येक चयनित शोधपीठ को पांच वर्षों के लिए 2 करोड़ रुपए का एकमुश्त अनुदान उपलब्ध कराएगी। यह धनराशि सावधि जमा (एफडी) के रूप में सुरक्षित रखी जाएगी तथा उससे प्राप्त ब्याज का उपयोग शोधपीठ के नियमित संचालन, शोध गतिविधियों और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में किया जाएगा। शोधपीठों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर), दान एवं अन्य वैधानिक स्रोतों से भी संसाधन जुटाए जा सकेंगे। पांच वर्ष की अवधि पूर्ण होने पर शोधपीठों के कार्यों की समीक्षा कर आगे विस्तार का निर्णय लिया जाएगा।

शोधार्थियों को शोध अनुदान के रूप में मिलेगा लाभ

मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि शोधपीठों में वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, जैन एवं बौद्ध दर्शन, आयुर्वेद, योग, भारतीय गणित, खगोल विज्ञान, स्थापत्य कला, कृषि विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण तथा अन्य भारतीय ज्ञान परंपराओं पर गंभीर एवं गुणवत्तापूर्ण शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा। इन शोधपीठों के माध्यम से पीएचडी, पोस्ट-डॉक्टरेट तथा स्नातक एवं परास्नातक स्तर के शोधार्थियों को शोध अनुदान एवं शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योजना के अंतर्गत शोध पुस्तकों, अनुवादों और समीक्षात्मक संस्करणों का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आईएसबीएन एवं डीओआई के साथ कराया जाएगा।

अलीगंज अग्निकांड पर एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार को फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने भेजा अवमानना नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ के अलीगंज अग्निकांड में 15 मौतों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को अवमानना नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने को कहा है।

LDA उपाध्यक्ष से कहा है कि अगली सुनवाई (डेट अभी तय नहीं) में सीलबंद लिफाफे में SIT की रिपोर्ट लेकर पहुंचिए। पूछा है कि न्यायालय के आदेशों का पालन न करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए? न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ मामले की सुनवाई कर रही थी।

अलीगंज की इसी 4 मंजिला इमारत में आग लगने से 15 लोगों की जान चली गई थी। इमारत पर 25 जुलाई को बुलडोजर चलाया गया। सुनवाई के दौरान न्यायालय के एमिकस क्यूरी वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार सिन्हा ने कोर्ट को बताया कि जिस इमारत में आग लगी थी, उसे गिराने का आदेश 10 मई 2016 को पारित किया गया था। लेकिन 5 जुलाई 2016 को उसी प्राधिकरण ने तकनीकी आधार पर अपना आदेश वापस ले लिया। इसके बाद वर्षों तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई और आखिरकार जून 2026 में हुए अग्निकांड में 15 छात्रों की जान चली गई।

फास्ट न्यूज

डिलीवरी के साथ महिला का ओपन हार्ट सर्जरी

लखनऊ । 26 साल की महिला पहली बार मां बनने वाली थी। गर्भावस्था के 32वें सप्ताह में अचानक उसकी सांस फूलने लगी और दिल की धड़कन तेज हो गई। जांच हुई तो पता चला कि दिल के दो वाल्व खराब हैं। एक तरफ मां की जान पर खतरा तो दूसरी तरफ गर्भ में पल रही बच्ची की जिंदगी दांव पर लगी थी। ऐसे में SGPGI के डॉक्टरों ने एक साथ सिजेरियन और ओपन हार्ट सर्जरी करने का फैसला लिया।

लखनऊ में पिकप भवन पर विरोध प्रदर्शन

लखनऊ । लखनऊ में गुरुवार को गोमती नगर स्थित पिकअप भवन पर विरोध प्रदर्शन हुआ। सहायक लेखाकार अभ्यर्थियों ने पिकप भवन का घेराव करके नारेबाजी। प्रदर्शनकारियों ने 1828 पदों पर अंतिम परिणाम जारी करने की मांग की। परीक्षा और सभी प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद चयन आयोग अंतिम परिणाम जारी करने में देरी कर रहा है। प्रदर्शनकारियों ने शासन और आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द से जल्द रिजल्ट घोषित करने की मांग की। अभ्यर्थियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती और परिणाम जारी करने की स्पष्ट तारीख नहीं बताई जाती, तब तक विरोध जारी रहेगा।

आवारा कुत्तों ने 2 लोगों को काटा

लखनऊ। गोमतीनगर इलाके में दो लोगों को आवारा कुत्तों ने दौड़ाकर काट लिया। कुत्ते के हमले में विभवखंड-3 में व्यापारी अनिल उपाध्याय और सरिता नाम की महिला घायल हो गई। महिला के पैर में कुत्ते के दांत धंसने से उसके खून बहने लगा। शिकायत के बाद गुरुवार को नगर निगम की टीम आक्रामक कुत्तों को पकड़ने के लिए पहुंची तो कुछ स्थानीय लोगों ने इसका विरोध कर दिया।

'कोरोनाकाल में हीरो कहा, अब हम जीरो हो गए'

लखनऊ में एंबुलेंस ड्राइवरों का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लखनऊ में भाजपा दफ्तर के बाहर डायल-108 और डायल-102 के एंबुलेंस ड्राइवरों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ ड्राइवर रोने भी लगे। गुरुवार दोपहर 1 बजे वे नारे लिखी तख्तियां लेकर पहुंच गए। यहां नारा लगाया- 'कोरोनाकाल में हमें हीरो कहा, अब हम जीरो हो गए'।

उनका कहना था कि GVKEMRI कंपनी ने हमें कोरोनाकाल के तुरंत बाद बाद 2021 में नौकरी से निकाल दिया। तब से हम बेरोजगार हैं। प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे एंबुलेंस ड्राइवरों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया।

एंबुलेंस ड्राइवरों ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान दिन-रात सेवाएं दीं। कई कर्मचारियों ने अपनी जान भी गंवाई, लेकिन काम लेने के बाद उन्हें नौकरी से निकालकर बेरोजगार कर दिया गया। 5 साल से रोजगार के लिए भटक रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने निजी कंपनी पर नौकरी से निकालने, शारीरिक, मानसिक शोषण करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए। विरोध प्रदर्शन करने वाले एंबुलेंस चालकों ने बताया कि प्रदेश में करीब 20 हजार एंबुलेंस कर्मचारी GVKEMRI कंपनी के तहत काम करते हैं। कंपनी, कर्मचारियों का शारीरिक और मानसिक शोषण कर रही है।

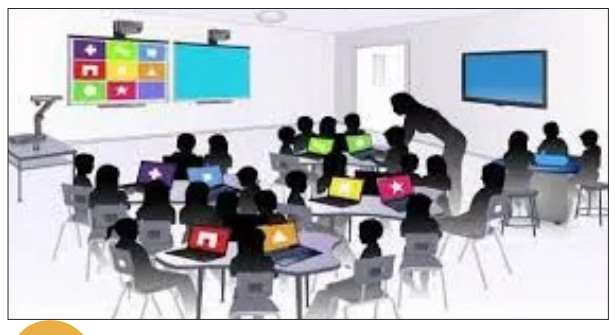
स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, डिजिटल बोर्ड और ई-कंटेंट के प्रभावी उपयोग का मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण

स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब से बदलेगी पढ़ाई की तस्वीर

- 30 अगस्त तक प्रदेशभर में चरणबद्ध ढंग से पूरा होगा शिक्षक प्रशिक्षण अभियान
- ऑनलाइन मॉनिटरिंग, प्री-टेस्ट, पोस्ट-टेस्ट और एस्केलेशन मैट्रिक्स से सुनिश्चित होगी गुणवत्ता
- योगी सरकार ने जारी किए विस्तृत दिशा-निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार परिषदीय विद्यालयों में स्थापित स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और डिजिटल शिक्षण संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत अब प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे, जो शिक्षकों को तकनीक आधारित शिक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण देंगे। इसका उद्देश्य विद्यालयों में उपलब्ध डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कर कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक, सहभागितापूर्ण और गुणवत्तापूर्ण बनाना है। इस संबंध में महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने सभी जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।



योगी सरकार का लक्ष्य केवल विद्यालयों में स्मार्ट क्लास स्थापित करना ही नहीं, बल्कि प्रत्येक शिक्षक को डिजिटल शिक्षण में दक्ष बनाना है। प्रत्येक शिक्षक को डिजिटल शिक्षण में दक्ष बनाते हुए कक्षा शिक्षण में डिजिटल संसाधनों का अधिकतम प्रयोग कराया जाना है। जब शिक्षक तकनीक का प्रभावी उपयोग करेंगे, तभी विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण, रोचक और सहभागितापूर्ण शिक्षा पहुंचेगी। यह प्रशिक्षण अभियान राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप डिजिटल शिक्षा को विद्यालयों की नियमित शिक्षण प्रक्रिया का मजबूत आधार बनाएगा।

- संदीप सिंह, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

डिजिटल शिक्षा को मिलेगी नई मजबूती

योगी सरकार का उद्देश्य विद्यालयों में स्थापित डिजिटल संसाधनों को केवल उपकरण तक सीमित न रखकर उन्हें दैनिक शिक्षण प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाना है। प्रशिक्षित शिक्षक स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब का अधिक प्रभावी उपयोग कर विद्यार्थियों के लिए विषयों को अधिक सरल, दृश्यात्मक और सहभागितापूर्ण बना सकेंगे। इससे बच्चों की समझ, सीखने की गति और कक्षा में उनकी सक्रिय भागीदारी को भी नई मजबूती मिलेगी। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप डिजिटल एवं अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए सुदृढ़ व्यवस्था

महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने निर्देश दिए हैं कि स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और अन्य डिजिटल शिक्षण संसाधनों के संचालन में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा न आने पाए। इसके लिए विभिन्न सेवा प्रदाताओं के जिला, राज्य एवं उच्च स्तर के अधिकारियों के संपर्क विवरण उपलब्ध कराए गए हैं। किसी भी तकनीकी समस्या का समाधान निर्धारित एस्केलेशन मैट्रिक्स के अनुरूप समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही सभी जनपदों को 30 अगस्त 2026 तक ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

15 अतिगंभीर पोस्टपार्टम हैमरेज, 43 अतिगंभीर एनिमिया व 19 एक्लम्पसिया के मरीज बचाए गए

योगी सरकार का गोरखपुर का 'मातृ सेवा' मॉडल बना जीवनरक्षक

- प्रत्येक हाईरिस्क केस की पहचान के बाद तत्काल उच्च संस्थान में रेफर व इलाज के लिए बनाया गया व्हाट्सअप ग्रुप
- अब आसपास के जिलों के हाईरिस्क मरीजों को भी गोरखपुर में एडमिट किया जा रहा

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। योगी सरकार का मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए ट्रायल के तौर पर गोरखपुर में चलाया जा रहा पायलट प्रोजेक्ट पूरे प्रदेश के लिए नजीर बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पायलट प्रोजेक्ट 'मातृ सेवा' का लक्ष्य हाई रिस्क गर्भवती केसों को तुरंत बड़े अस्पतालों में रेफर कर बचाना है। गोरखपुर में बीते दो महीने में पहल के तहत 15 अतिगंभीर पोस्टपार्टम हैमरेज (प्रसव के बाद अत्यधिक रक्तस्राव) के मामलों को बचाया गया है। अब आसपास के जिलों के हाईरिस्क मरीजों को भी गोरखपुर में एडमिट किया जा रहा है।

सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बताया कि प्रदेश में पहली बार किसी जिले में उच्च जोखिम गर्भावस्था में जान बचाने का अनोखा अभियान चल रहा है। 21 मई से शुरू अभियान में अब तक दो महीने में 363 उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों का इलाज किया गया है। इनमें से 55 तो पोस्टपार्टम हैमरेज के केस थे। इन 55 में से 15 तो अतिगंभीर मामले थे जिन्हें टीम के अलर्ट मोड में होने के कारण बचाया जा सका। पोस्टपार्टम हैमरेज मातृ मृत्यु की सबसे बड़ी वजह है। इसके अलावा 43 अतिगंभीर एनिमिया व 19 एक्लम्पसिया (गर्भावस्था के दौरान अचानक दौरे पड़ना या बेहोश हो जाना) के मामले भी बचाए जा सके। उन्होंने बताया कि अब आसपास के जिलों के हाईरिस्क मरीजों को भी गोरखपुर में एडमिट किया जा रहा है। सीएमओ ने बताया कि दो महीने की ट्रायल रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी जाएगी। अगर यह प्रदेश के अन्य जिलों में लागू होती है तो यह मातृ मृत्यु दर को कम करने का कारगर हथियार साबित हो सकता है।

विभिन्न अस्पतालों के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षकों का व्हाट्सअप ग्रुप बनाया गया

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि उत्तर प्रदेश टेक्निकल सपोर्ट यूनिट (यूपीटीएसयू) व स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास से शुरू की गई इस पहल में उच्च जोखिम गर्भावस्था प्रबंधन के लिए एम्स, बीआरडी मेडिकल कॉलेज, जिला महिला अस्पताल के डॉक्टरों, सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) व अस्पतालों के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षकों का व्हाट्सअप ग्रुप बनाया गया है। इस ग्रुप में आशा, एएनएम, नर्स, एम्बुलेंस कोआर्डिनेटर व सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) भी शामिल हैं। जैसे ही कोई आशा या परिजन गर्भवती को ग्रामीण अस्पताल लेकर पहुंचते हैं तो विभागीय टीम हाईरिस्क वाले केसों की पहचान करती है और जरूरत के हिसाब से उन्हें उच्च अस्पताल भेजती है। प्रसव के समय अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर डिलिवरी कराते हैं और जोखिम बढ़ने पर फौरन उच्च अधिकारियों को सूचित करते हैं। केस की गंभीरता व रेफर करने की सारी सूचनाएं इस व्हाट्सअप ग्रुप पर पोस्ट किया जाता है व फोन करके भी टीम को अलर्ट कर दिया जाता है। यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि एम्बुलेंस तुरंत प्रसूता को लेने स्थानीय अस्पताल पहुंचे।

दुष्कर्म के बाद बीसीए छात्रा की हत्या शक में आरोपी ने मारा चाकू

तमसा संकेत, एजेंसी



दुबग्गा । लखनऊ के पारा में 17 वर्षीय बीसीए छात्रा की हत्या के मामले में गुरुवार को पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच के दौरान गिरफ्तार देवांश पाठक ने पूछताछ में बताया कि उसे शक था कि छात्रा किसी दूसरे युवक से बात कर रही है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। वहीं, छात्रा के परिजनों ने हत्या से पहले दुष्कर्म का आरोप लगाया है।

पुलिस ने परिजनों के बयान और अन्य सबूतों के आधार पर मुकदमे में दुष्कर्म की धाराएं बढ़ाकर आरोपी को जेल भेज दिया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि तालकटोरा के बदशाहखेड़ा निवासी देवांश पाठक और पारा क्षेत्र की रहने वाली छात्रा पिछले करीब दो सालों से एक-दूसरे को जानते थे। दोनों ने साथ में इंटरमीडिएट की पढ़ाई की थी और बाद में टीएस मिश्रा कॉलेज में बीसीए में दाखिला लिया था। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच प्रेम संबंध थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों से बातचीत बंद थी। पूछताछ में आरोपी देवांश ने बताया कि छात्र किसी और लड़के से बात करने लगी थी इसी बात से नाराज होकर देवांश ने विरोध भी किया था। बीते एक हफ्ते से दोनों में बात भी नही हो रही है। इसी सिलसिले में बुधवार दोपहर देवांश छात्रा के घर गया था और कहासुनी के बाद छात्रा की चाकू से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी थी।

उस समय छात्रा के माता-पिता अमेठी गए हुए थे और बड़ी बहन कॉलेज गई थी। पुलिस के अनुसार, घर के भीतर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी ने चाकू से गला रेतकर छात्रा की हत्या कर दी।

आयोजन : 'हर घर तिरंगा' के जरिये भावी पीढ़ी में देशभक्ति का संचार कर रही डबल इंजन सरकार

'तिरंगा संगीत समारोह' में राष्ट्र नायकों को मिलेगा सम्मान

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में होगा तिरंगा संगीत समारोह
- राजधानी लखनऊ में 1090, घंटाघर चौक, हजरतगंज, जनेश्वर मिश्र पार्क, एमरॉल्ड मॉल, लुलु मॉल समेत विभिन्न स्थानों पर होगा 'तिरंगा कॉन्सर्ट'

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। राष्ट्र नायकों को सम्मान देने के साथ ही भावी पीढ़ी में देशभक्ति का संचार करने के लिए डबल इंजन सरकार 'हर घर तिरंगा' अभियान का आयोजन कर रही है। इस अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 5 करोड़ घरों में तिरंगा फहराया जाएगा। इसके साथ ही देशभक्ति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम भी होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी आयोजनों को जनभागीदारी के साथ मनाने का निर्देश दिया है। इस श्रृंखला में राजधानी लखनऊ समेत सभी 75 जनपदों में 'तिरंगा संगीत समारोह' (तिरंगा कॉन्सर्ट) का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रभक्ति के गीतों-नृत्यों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत भव्य तिरंगा महोत्सव भी होगा। इसके अंतर्गत तिरंगा मेला व भव्य तिरंगा म्यूजिकल कॉन्सर्ट भी आयोजित किया जाएगा। इसमें जनप्रतिनिधियों के साथ ही जनसहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी। तिरंगा कॉन्सर्ट में नामचीन कलाकारों के साथ ही स्थानीय कलाकारों को भी मौका दिया जाएगा। सभी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत रहेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विगत दिनों बैठक में निर्देश दिया था कि 14 व 15 अगस्त को प्रदेश के सभी सिनेमाघरों में राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान का अनिवार्य रूप से प्रसारण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने 'हर घर तिरंगा' का उद्देश्य बताते हुए कहा कि भावी पीढ़ी को राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना, प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करना और राष्ट्र के प्रति दायित्वबोध उत्पन्न करना है।

राजधानी लखनऊ में भी विभिन्न स्थानों पर तिरंगा कॉन्सर्ट प्रस्तावित किया गया है। संस्कृति विभाग के मुताबिक 1090 चौराहा, हजरतगंज, घंटाघर चौक, जनेश्वर मिश्र पार्क, एमरॉल्ड मॉल, लुलु मॉल समेत कई अन्य स्थानों पर तिरंगा संगीत समारोह प्रस्तावित है।

प्रदेश के सभी 75 जनपदों में होगा तिरंगा कॉन्सर्ट

तिरंगा कॉन्सर्ट का आयोजन राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के सभी 75 जनपदों में होगा। इस मौके पर स्वतंत्रता संग्राम व विभिन्न युद्धों में शहीद हुए सैनिकों के परिजनों को भी सम्मानित किया जाएगा। समारोह में संपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति पर आधारित होगा। कॉन्सर्ट में तिरंगा गान, देशभक्ति गीत-संगीत व वंदे मातरम का सामूहिक गान होगा। इसमें विभिन्न स्कूलों, पुलिस बल व आर्मी बैंड द्वारा देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

युवती की मौत, सोते समय झोपड़ी में दबी बारिश के चलते हादसा

गोसाईंगंज के 250 घरों में 3 दिन से बत्ती गुल

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । लगातार बारिश के चलते लखनऊ के मोहनलालगंज में झोपड़ी गिरने से एक युवती की मौत हो गई। रात में 1 बजे यह हादसा हुआ। उस समय परिवार सो रहा था। वहीं, बारिश के ही कारण गोसाईंगंज में 250 घरों में 3 दिन से बिजली नहीं आई है। बच्चों की पढ़ाई के साथ लोगों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त है।

गुरुवार को लगातार बारिश का चौथा दिन है। गुरुवार को 26.7 मिलीमीटर बारिश हुई है। यह सामान्य बारिश 8.3 मिलीमीटर की तुलना में 221 फीसदी अधिक है। 1 जून से लेकर अभी तक मानसून में 261.9 मिलीमीटर बरसात हुई है।

जबकि सामान्य बारिश का औसत 360.8 मिलीमीटर है। यानी पूरे सीजन में अब तक सामान्य से 27 फीसदी कम बरसात हुई है। हालांकि, बीते 3 दिन में 64.4 मिमी बारिश हो चुकी है। बुधवार को 7.5 मिलीमीटर बारिश हुई।

यह सामान्य की तुलना में 14 फीसदी अधिक थी क्योंकि इस दिन सामान्य बारिश का कोटा 6.6 मिमी था। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि 9 अगस्त तक बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

क्राइस्ट चर्च स्कूल से 50 मीटर की दूरी पर काठमांडा हाउस के सामने जलभराव हो गया है। स्कूल के बच्चों को पानी में घुसकर निकलना पड़ा। इस दौरान स्कूटी सवार युवक पानी में गिर गया। बारिश के चलते हजरतगंज में भीषण जाम लग गया है। हजरतगंज चौराहे से लेकर क्राइस्ट चर्च स्कूल और सिविल अस्पताल तक वाहनों की कतार लगी है। गोसाईंगंज नगर पंचायत के साहन टोला वार्ड और नेवातिन टोला में पिछले 65 घंटे से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। करीब 250 घरों के लोग रात में मोमबत्ती और अन्य वैकल्पिक साधनों के सहारे गुजारा कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में करीब 40 मीटर तार खराब होने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित है। कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है।

लगातार तीन दिन से अधिक समय तक बिजली न मिलने से पेयजल संकट गहरा गया है।

धन्यवाद देवियों, जो लांछन लगाकर फेमस कर दिया, 1000 गाड़ियों के साथ शक्ति प्रदर्शन

मैंने किसी की साड़ी नहीं खींची : बृजभूषण

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या।गोंडा15। महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण केस में बरी होने के बाद पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह गुरुवार को पहली बार अयोध्या पहुंचे। उन्होंने यहां शक्ति प्रदर्शन किया। खुली जीप में खड़े होकर अयोध्या से गोंडा तक तक रोड शो किया। बृजभूषण के साथ 1000 कार और बाइकों का काफिला चला। 50 किमी के रास्ते में समर्थक उन पर फूल बरसाते रहे। 'शेर आया... शेर आया' के नारे लगाते रहे। विधायक बेटे प्रतीक ने गदा लहराई। इस रोड शो का नाम दिया- सत्यमेव जयते। यौन शोषण का आरोप लगाकर प्रदर्शन करने वाली महिला पहलवानों पर तंज कसा। कहा- इन देवियों ने कैकेयी की तरह लांछन लगाकर मुझे फेमस कर दिया। मुझे दोषी साबित करने में देश के 42 बड़े नामचीन लोग और विपक्षी पार्टियां लगी हुई थीं। शिखंडी की तरह पीछे से छिपकर वार मत करो। सामने आकर लड़ो। दुनिया में यौन उत्पीड़न के मामले में इतना बड़ा आंदोलन कभी नहीं हुआ। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ भी नहीं हुआ, किसी रेपिस्ट के खिलाफ भी नहीं हुआ। बृजभूषण की फ्लाइट सुबह 11 बजे अयोध्या के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरी। एयरपोर्ट पर 2 हजार से ज्यादा समर्थकों ने गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया। माला पहनाई। जयकारे लगाए। एयरपोर्ट से खुली जीप में वह हनुमानगढ़ी पहुंचे। उस समय मंदिर में आरती और भोग का समय चल रहा था।



66 गोंडा में बृजभूषण का उनके स्कूल में स्वागत कार्यक्रम हुआ। इस दौरान उन्होंने हजारों समर्थकों की भीड़ को संबोधित किया। कहा- मैं झुक जाता, तो मसला हल हो जाता, लेकिन मेरे किरदार का कत्ल हो जाता। मेरे खिलाफ लगाया गया आरोप केवल गुड टच और बैड टच से जुड़ा है। मैंने किसी की साड़ी खींचने का काम नहीं किया। मेडल पहनाते-पहनाते टच हो गया होगा, उसी पर तूफान खड़ा कर दिया।

'महिला पहलवान हाईकोर्ट गईं तो फिर चर्चा में आऊंगा'



बृजभूषण सिंह ने कहा- सुना है कि वो लोग हाईकोर्ट जाने वाले हैं। हाईकोर्ट जाएं तो मैं फिर से चर्चा में आ जाऊंगा। राजनीति के लिए तो जरूरी ही है- 'चर्चा–पर्चा–खर्चा'। मैं भी चाहता हूं कि मेरी चर्चा तब तक समाप्त न हो, जब तक मेरे हाथ से कोई बड़ा काम नहीं हो जाता। दरअसल, 3 अगस्त को बृजभूषण सिंह को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने महिला पहलवानों से जुड़े यौन शोषण मामले में बरी किया था। फैसले पर पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा था- हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देंगे

बृजभूषण ने कहा- पहले दिन ही मैंने कहा था अगर आरोप साबित हुए तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। वह अहंकार नहीं था। मैं अपने आप को जानता हूं, इसलिए मैंने यह बात कही थी। तमाम बच्चे, संत आत्महत्या कर लेते हैं। तमाम अधिकारी फांसी पर लटक जाते हैं। तमाम राजनेताओं की राजनीति खत्म हो जाती है। तमाम बच्चे जान गंवा देते हैं। जिन लोगों के ऊपर नाजायज केस लगाया जाता है, मुझे उनको संभालने का काम करना है। शायद इसलिए यह केस लगा। मैं विचार करता हूं।

'कैकेयी-मंथरा ने अपने ऊपर लांछन लेकर भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाया'

पूर्व सांसद ने कहा- भगवान राम को राजा बनाया जाना था। लेकिन कैकेयी और मंथरा पर भगवान की कृपा हो गई। वह भगवान की कृपा ही थी कि दोनों ने लांछन अपने ऊपर ले लिया और भगवान राम को वनवास भेज दिया। वे भगवान राम को साधारण राजा के रूप में नहीं, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम के रूप में देखना चाहती थीं।

इसलिए दोनों ने अपने ऊपर लांछन लेकर भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम बना दिया। इसी तरह द्रोणाचार्य की निंदा होती है कि उन्होंने एकलव्य का अंगूठा ले लिया।

जबकि महाभारत में एकलव्य का कोई बड़ा रोल नहीं था। द्रोणाचार्य ने अपने ऊपर वह लांछन लेकर एकलव्य को अमर कर दिया। ऐसे ही इन देवी जी लोगों ने लांछन लगाकर मुझे फेमस कर दिया।

'मुझे आज पूरी दुनिया जान रही, इसके लिए देवी जी लोगों का धन्यवाद'

बृजभूषण ने कहा- जब 3 अगस्त को फैसला आया तो दुनिया के हर देश में इसकी चर्चा हुई। हर जिला बार, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में इस जजमेंट की चर्चा हुई। मैं सेलिब्रिटी बन गया। जो लड़का भैंस चराता था, 8वीं कक्षा को तीन साल में पास किया, आज उसकी चर्चा पूरी ज्यूडीशियरी और पूरे विश्व में हो रही है और अयोध्या के संत माला पहना रहे हैं। पहले मुझे सिर्फ 10–20 जिले जानते थे, लेकिन आज पूरी दुनिया जान रही है। इसके लिए मैं इन देवी जी लोगों का धन्यवाद देता हूं।

फास्ट न्यूज

उन्नाव में बढ़ते गंगा जलस्तर पर प्रशासन अलर्ट

उन्नाव। उन्नाव में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। गुरुवार दोपहर जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ फतेहपुर चौरासी क्षेत्र का निरीक्षण किया। लेकर बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में कोई लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसा, एक की मौत

उन्नाव। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर उन्नाव के हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के पिलखना गांव के सामने बुधवार रात करीब 3 बजे के लगभग एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार आगे जा रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। इस दुर्घटना में बांगरमऊ निवासी 26 वर्षीय आदर्श शुक्ला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में अंकित, हिमांशु और चंदन शामिल हैं। सूचना मिलते ही यूपीडा और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस की मदद से उन्हें लोक बंधु अस्पताल, लखनऊ भेजा।

हरदोई मेडिकल कॉलेज में 2 घंटे चला ऑपरेशन

हरदोई। हरदोई के मेडिकल कॉलेज के जनरल सर्जरी विभाग ने गुरुवार को एक जटिल ऑपरेशन कर 26 साल की महिला के पेट से10 किलो की गांठ निकाल दी। गुरुवार सुबह 11 बजे शुरू हुई सर्जरी दोपहर 1 बजे तक चली। डॉक्टरों के अनुसार गांठ 26 सेंटीमीटर लंबी, 21 सेंटीमीटर चौड़ी और 13 सेंटीमीटर मोटी थी। ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत स्थिर बताई जा रही है।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर पोस्टर प्रतियोगिता

डॉक्टर बोले- मां का पहला दूध बच्चे का पहला टीका

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त) के तहत बुधवार दोपहर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध महिला चिकित्सालय में पोस्टर प्रतियोगिता और जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जे.बी. गोगोई रहे। प्रतियोगिता में नर्सिंग के छात्र-छात्राओं ने स्तनपान के महत्व और शिशु स्वास्थ्य पर आधारित आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए। प्राचार्य डॉ. जे.बी. गोगोई, सीएमएस डॉ. सुबोध गौतम और गाइनी विभागाध्यक्ष डॉ. मधुलिका शुक्ला ने सभी पोस्टरों का अवलोकन किया। इस दौरान प्राचार्य ने छात्रों से पोस्टरों से जुड़े विषयों पर सवाल भी पूछे, जिनका प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया। प्रतियोगिता में



नितिन सिंह, हर्षित वर्मा और प्राथू शुक्ला की टीम प्रथम स्थान पर रही। आबदा और नैंसी की टीम को द्वितीय तथा संदीप, हिमांशु और आशीष कुमार की टीम को तृतीय स्थान मिला। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया पोस्टर प्रतियोगिता के बाद आयोजित गोष्ठी में चिकित्सकों ने स्तनपान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. गोगोई ने कहा कि जन्म के एक घंटे के भीतर मां का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलोस्ट्रम) शिशु के लिए पहले टीके की तरह काम करता है।

बाराबंकी में 5 मासूम मलबे में दबे, 3 घायल, पिता बोला- मेरा तो घर सूना हो गया

मदरसा जाते समय जर्जर दीवार ढही, सगे भाई-बहन की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में दो मासूम भाई-बहन की मौत हो गई, जबकि तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब पांचों बच्चे मदरसा पढ़ने के लिए जा रहे थे। रास्ते में अचानक करीब 100 साल पुरानी जर्जर ईंट की दीवार भरभराकर बच्चों के ऊपर गिर गई। हादसे के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई। घटना दरियाबाद कोतवाली क्षेत्र के गुलचप्पा कलां (अलिया-बाद) गांव की है। मृतकों की पहचान 7 वर्षीय हुजैफा और उसकी बड़ी बहन 14 वर्षीय हाजरा बानो के रूप में हुई है।



हुजैफा, मृतक भाई

हाजरा बानो, मृतक बहन

दोनों भाई-बहन मदरसा खानका अबू अहमदिया में पढ़ते थे। हादसे में परिवार के तीन अन्य बच्चे भी घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। दोनों बच्चे ही मेरा सहारा थे। हुजैफा नर्सरी में पढ़ता था, जबकि हाजरा बानो कक्षा 5 की छात्रा थी। बच्चे मदरसा पढ़ने जा रहे थे। तभी अचानक दीवार गिर गई। दीवार करीब 100 साल पुरानी थी और कई दिनों से एक तरफ झुकी हुई थी। हमारे दोनों बच्चों की मौत हो गई। मेरे तो दोनों सहारे छिन गए। पूरा घर ही सूना हो गया।

तीन बच्चे घायल, अस्पताल में इलाज जारी

हादसे में 8 वर्षीय हस्सान, 4 वर्षीय हानिया और 14 वर्षीय मोहम्मद अदनान घायल हुए हैं। सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों मृत बच्चों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।



'मिशन आरोही' अभियान में 20 वाहन सीज, 76 के चालान

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर चल रहे चार दिवसीय विशेष प्रवर्तन अभियान 'मिशन आरोही' के दूसरे दिन गुरुवार को परिवहन विभाग ने अवैध संचालन, बिना टैक्स, ओवरलोड, अनफिट वाहनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सघन कार्रवाई की।

एआरटीओ (प्रवर्तन) राजेश राजपूत के नेतृत्व में एआरटीओ सत्येंद्र सिंह एवं यात्री कर अधिकारी पूजा सिंह की टीम ने बिना वैध प्रपत्र, अनफिट स्लीपर बसों, बिना एचएसआरपी (HSRP) अथवा विकृत नंबर प्लेट तथा गंभीर ओवर-लोडिंग में लिप्त 20 वाहनों को सीज कर संबंधित थानों में खड़ा कराया। वहीं बकाया टैक्स, निजी वाहनों के व्यावसायिक उपयोग, ओवरस्पी-डिंग, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट सहित अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर 76 वाहनों के चालान किए गए।



एआरटीओ राजेश राजपूत ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि सड़कों से अनफिट और अवैध वाहनों का संचालन समाप्त कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करना है। उन्होंने वाहन स्वामियों से फिटनेस, परमिट, बीमा, टैक्स और एचएसआरपी सहित सभी दस्तावेज दुरुस्त रखने तथा यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 8 अगस्त तक अभियान और अधिक सख्ती के साथ जारी रहेगा तथा नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा गंगाघाट मंडल की बैठक संपन्न

12 अगस्त को निकलेगी तिरंगा पदयात्रा, 'हर घर तिरंगा' अभियान पर बनी रणनीति

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गंगाघाट मंडल की कार्यकारिणी बैठक गुरुवार को राजधानी मार्ग स्थित गिरधर पैलेस में संपन्न हुई। इस दौरान 'हर घर तिरंगा' अभियान की कार्यशाला भी आयोजित की गई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई, जिसमें 12 अगस्त को नगर में एक विशाल तिरंगा पदयात्रा निकालने की घोषणा की गई। इसमें पांच हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। बैठक में सदर विधायक पंकज गुप्ता, भाजपा जिला महामंत्री मनीष जायसवाल, गंगाघाट प्रभारी विद्या3 और प्रवासी अमित त्रिपाठी सहित कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।





जिला महामंत्री मनीष जायसवाल ने 'हर घर तिरंगा' अभियान की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत प्रत्येक घर तक तिरंगा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जायसवाल ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा भी साझा की। उन्होंने बताया कि 12 अगस्त को तिरंगा पदयात्रा के अलावा, 13 अगस्त को महापुरुषों की प्रतिमाओं और स्मारकों पर सफाई अभियान चलाकर माल्यार्पण किया जाएगा। 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अतिरिक्त, संत रविदास की कलश यात्रा को नगर के पांच प्रमुख स्थानों पर ले जाकर पूजन किया जाएगा। गंगाघाट मंडल अध्यक्ष सुरेश चंद शुक्ला ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि मंडल का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीति-नीति के अनुरूप पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेगा और आगामी सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने में पूरी ताकत लगाएगा। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री जितेंद्र सिसोदिया ने किया, जबकि अंत में दीपू पंडित ने सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने भाजपा की 'राष्ट्र सर्वोपरि' विचारधारा पर जोर दिया और कार्यकर्ताओं से देश, संस्कृति तथा सभ्यता की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया। विधायक ने विपक्ष पर भ्रामक प्रचार का आरोप लगाते हुए कार्यकर्ताओं से तथ्यों के आधार पर जनता के बीच जवाब देने को कहा।

आयोजन : तिरंगा रैली से लेकर चित्रकला प्रतियोगिताओं तक होंगे कई आयोजन

9 से 17 अगस्त तक चलेगा 'हर घर तिरंगा अभियान-2026'

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' का आयोजन 9 से 17 अगस्त तक किया जाएगा। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में इस वर्ष अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना से जोड़ना है। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे 9 से 17 अगस्त तक अपने घरों, दुकानों, कार्यालयों, प्रतिष्ठानों और अन्य संस्थानों पर

66 डीएम ने बताया कि अभियान के दौरान नागरिक तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर तथा 'वंदे मातरम' का सामूहिक या व्यक्तिगत गायन करते हुए उसकी फोटो और वीडियो 'हर घर तिरंगा' पोर्टल पर अपलोड कर अपनी सहभागिता दर्ज करा सकते हैं। इससे अधिक से अधिक लोगों को इस राष्ट्रीय अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।



राष्ट्रीय ध्वज संहिता का पूर्ण पालन करते हुए सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराएं।

क्षतिग्रस्त तिरंगे का न करें उपयोग, अभियान के बाद सम्मानपूर्वक रखें सुरक्षित

जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय ध्वज सदैव निर्धारित मानकों और भारतीय ध्वज संहिता के अनुरूप ही फहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फटा, कटा या किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त तिरंगे का उपयोग किसी भी परिस्थिति में न किया जाए। डीएम ने सभी नागरिकों से इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और जनपद में इसे सफल बनाने का आह्वान किया।



जिलेभर में होंगे विविध सांस्कृतिक और देशभक्ति कार्यक्रम

अभियान के सफल संचालन के लिए सभी विभागों, नगर निकायों, शिक्षण संस्थानों और स्थानीय निकायों को व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के दौरान जनपद में तिरंगा रैली, तिरंगा कॉन्सर्ट, स्वतंत्रता दिवस समारोह, तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा थीम पर प्रकाश सज्जा, रंगोली प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता सहित अनेक सांस्कृतिक एवं देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सीडीओ ने योजनाओं की समीक्षा की

पात्र परिवारों तक लाभ पहुंचाने और कार्य पूरे करने के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के विकास भवन सभागार में सीडीओ नेहा व्याडवाल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक वीबी-ग्राम जी (विकसित भारत-ग्राम जी) अभियान और उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए बुलाई गई थी। बैठक में विकास खंडवार अभियान की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायतों के सर्वेक्षण, पात्र लाभार्थियों की पहचान, आयुष्मान भारत योजना और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संतृप्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके अतिरिक्त,



अपूर्ण कार्यों, लंबित प्रकरणों और विकास खंडवार प्रगति की भी समीक्षा की गई। स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं विस्तार, पात्र परिवारों को समूहों से जोड़ने, जीरो पॉवर्टी अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक क्रेडिट लिंकेज, सामुदायिक निवेश निधि, रिवॉल्विंग फंड, लखपति दीदी अभियान, विद्युत सखी, कृषि मित्र, प्रेरणा कैंटीन और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी नेहा व्याडवाल ने जोर देकर कहा कि वीबी-ग्राम जी अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उन्हें पूर्ण रूप से संतृप्त करना है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, ग्राम स्तर पर नियमित अनुश्रवण करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति किसी भी सरकारी योजना के लाभ से वंचित न रहे। जिन विकास खंडों और योजनाओं की प्रगति कम पाई गई, वहां विशेष अभियान चलाकर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने स्वयं सहायता समूहों से अधिकाधिक परिवारों को जोड़ने, बैंक खाते खुलवाने, बैंक क्रेडिट लिंकेज एवं सामुदायिक निवेश निधि वितरण में सुधार लाने, लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने और डेटा की शुद्धता बनाए रखने पर विशेष बल दिया।

सम्पादकीय

गतिरोध से त्रस्त संसद



संसद में जारी गतिरोध को तोड़ने और विदेशी चंदे एवं परिसीमन से जुड़े विधेयकों पर सहमति कायम करने के लिए संसदीय कार्यमंत्री किरेण रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच हुई बातचीत जिस तरह किसी ठोस नतीजे पर पहुंचती नहीं दिखी, उससे मानसून सत्र के हंगामे के बीच ही खत्म होने के आसार बढ़ गए हैं। राहुल गांधी की शर्त है कि जब तक काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च में हिंसा पर गृह मंत्री अमित शाह बयान नहीं देते और राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में सदन में चर्चा नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चल सकती।

पता नहीं इन दोनों विषयों पर ऐसा हो पाता है या नहीं, लेकिन हैरानी नहीं कि इसकी नौबत आने पर विपक्ष सरकार को कठघरे में खड़ा कर सदन से चलता बने और सरकार का पक्ष भी न सुने। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष और विशेष रूप से राहुल गांधी ने बहुत कुछ कहा था, लेकिन इस बिल पर एक शब्द भी नहीं कहा था।

कुछ ऐसा ही रवैया अन्य विपक्षी नेताओं का रहा था। यह पहली बार नहीं, जब विपक्ष उन मुद्दों को तूल देने पर अड़ गया हो, जो संसद सत्र के पहले किसी न किसी कारण सतह पर आए। एक लंबे अर्से से यह देखने को मिल रहा है कि संसद सत्र शुरू होने के पहले कुछ ऐसे मुद्दे सामने आ जाते हैं या फिर सुनियोजित रूप से लाए जाते हैं कि विपक्ष को संसद में हंगामा करने का अवसर मिल सके। यह स्थिति यही बताती है कि विपक्ष अपनी ओर से न तो कोई तैयारी करता है और न ही उसके पास प्रस्तावित विधेयकों अथवा राष्ट्रीय महत्व के अन्य मुद्दों पर कोई ठोस सुझाव होते हैं। यह एक तथ्य है संसद के इस सत्र में पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन वाले विधेयक को छोड़कर किसी अन्य विधेयक पर कोई चर्चा नहीं हुई। कई विधेयक विपक्ष की नारेबाजी के बीच बिना किसी विचार-विमर्श के पारित हो गए। समस्या यह है कि जिन विधेयकों पर कभी कोई चर्चा होती भी है, तो वह अत्यंत सतही और निरर्थक होती है। यह किसी से छिपा नहीं कि विपक्ष की ओर से सरकार के हर विधेयक और हर फैसले का आंख मूदकर विरोध ही किया जाता है। वास्तव में अब विरोध और अंधविरोध का अंतर मिटता जा रहा है। विपक्ष की ओर से रचनात्मक अथवा सकारात्मक सहयोग अब बीते जमाने की बात बन गया है। इसकी जगह नकारात्मकता और विरोध के नाम पर विरोध की राजनीति ने ले लिया है। इससे संसद की महत्ता और गरिमा ही कम हो रही है। यदि संसदीय कामकाज की यही दशा रही तो वह दिन दूर नहीं, जब आम जनता में संसद के प्रति आस्था डिगती दिखे। अच्छा हो कि पक्ष और विपक्ष, दोनों यह देखें कि संसद की महत्ता फिर से कैसे स्थापित हो।

मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण गरीबों के लिए सम्मानजनक आवास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल





> मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) विशेष रूप से गरीब, असहाय, वंचित, निराश्रित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन, महिला मुखिया परिवारों तथा अन्य जरूरतमंद वर्गों को प्राथमिकता देती है। योजना में सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की भावना निहित है, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचे।

मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उत्तर प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब, आवासहीन एवं कच्चे मकानों में निवास कर रहे परिवारों को पक्का और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। आवास केवल रहने का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन का आधार भी होता है। समाज के कमजोर वर्गों के लिए अपना घर होना आत्मनिर्भरता और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से उन पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया है, जो किसी कारणवश अन्य आवासीय योजनाओं का लाभ नहीं ले सके। ग्रामीण भारत में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार रहे हैं, जो वर्षों से कच्चे मकानों, झोपड़ियों अथवा अस्थायी आश्रयों में जीवन यापन करते आए है। बरसात, गर्मी, सर्दी और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान इन परिवारों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कच्चे घरों की असुरक्षा के कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का जीवन विशेष रूप से प्रभावित होता है। ऐसे में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीबों के जीवन में सुरक्षा, स्थायित्व और सम्मान लाने की दिशा में एक प्रभावी पहल के रूप में सामने आई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन ग्रामीण गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है, जो आवासहीन हैं या जर्जर एवं कच्चे मकानों में रह रहे हैं। साथ ही, ऐसे पात्र परिवार जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) या अन्य योजनाओं से लाभ नहीं मिल पाया, उन्हें इस योजना के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है। सरकार की मंशा है कि कोई भी गरीब परिवार बिना छत के न रहे और प्रत्येक जरूरतमंद को सम्मानजनक आवास मिल सके।

योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को पक्का मकान निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता चरणबद्ध तरीके से किस्तों में दी जाती है, जिससे निर्माण कार्य सुचारु रूप से पूरा हो सके। आमतौर पर प्रथम किस्त निर्माण प्रारंभ करने हेतु, द्वितीय किस्त निर्माण की प्रगति के आधार पर तथा अंतिम किस्त निर्माण पूर्ण होने पर दी जाती है। इस प्रक्रिया से यह सुनिश्चित किया जाता है कि धनराशि का उपयोग वास्तव में आवास निर्माण में ही हो।

लाभार्थियों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र परिवारों की पहचान की जाती है और स्थानीय प्रशासन द्वारा सत्यापन के बाद लाभार्थियों को सूचीबद्ध किया जाता है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजना का लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे। पारदर्शिता और जवाबदेही इस योजना की प्रमुख विशेषताएं है। यह योजना केवल आवास उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण जीवन स्तर को बेहतर बनाने का माध्यम भी है। पक्का घर मिलने से गरीब परिवारों को सुरक्षित वातावरण मिलता है, जिससे उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बच्चे बेहतर माहौल में पढ़ाई कर पाते है, महिलाएं सुरक्षित महसूस करती है और बुजुर्गों को भी आरामदायक जीवन मिलता है। पक्का आवास गरीब परिवारों के लिए सामाजिक सम्मान का भी आधार बनता है। पहले जो परिवार झोपड़ी या जर्जर कच्चे घरों में रहते थे, उन्हें समाज में अक्सर उपेक्षा का सामना करना पडता था। लेकिन अपना पक्का घर मिलने के बाद उनका आत्मविश्वास बढता है और सामाजिक प्रतिष्ठा भी मजबूत होती है। यह योजना गरीबों के जीवन में केवल भौतिक परिवर्तन नहीं लाती, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक बदलाव लाती है। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) महिलाओं के सशक्तिकरण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कई मामलों में आवास महिला के नाम या पति-पत्नी के संयुक्त नाम पर स्वीकृत किए जाते हैं, जिससे महिलाओं को संपत्ति में अधिकार मिलता है। इससे महिलाओं की सामाजिक स्थिति मजबूत होती है और परिवार में उनकी निर्णय क्षमता भी बढ़ती है। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम है। स्वच्छता और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह योजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। पक्के घरों में स्वच्छ वातावरण, बेहतर वेंटिलेशन और सुरक्षित संरचना होने के कारण बीमारियों का खतरा कम होता है। साथ ही स्वच्छता से जुड़े अन्य प्रयासों को भी बढ़ावा मिलता है। इस प्रकार यह योजना अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य सुधार में भी सहायक सिद्ध हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आवास निर्माण से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते है। निर्माण कार्य में मजदूरों, राजमिस्त्रियों, कारीगरों और निर्माण सामग्री की मांग बढ़ती है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलती है। इस प्रकार यह योजना रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी योगदान देती है।

उत्तर प्रदेश सरकार गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रही है। मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) इसी प्रतिबद्धता का परिणाम है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र गरीब परिवार को आवास सुविधा उपलब्ध हो और ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीनता समाप्त हो। इस दिशा में निरंतर कार्य करते हुए बड़ी संख्या में लाभार्थियों को इस योजना का लाभ दिया गया है।

योजना के माध्यम से हजारों गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन में बदलाव लाया गया है। इससे न केवल उनकी रहने की स्थिति सुधरी है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा और जीवन स्तर में भी वृद्धि हुई है। यह योजना ग्रामीण विकास और समावेशी प्रगति की की दिशा में एक मजबूत कदम सिद्ध हुई है।

हालांकि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियां भी सामने आती है, जैसे पात्र लाभार्थियों की सही पहचान, निर्माण कार्य की समय-बद्धता, दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच और जागरूकता का अभाव। लेकिन सरकार इन चुनौतियों से निपटने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। तकनीकी साधनों, निगरानी तंत्र और प्रशासनिक सक्रियता के माध्यम से योजना को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) वास्तव में गरीबों के लिए सम्मानजनक जीवन की नींव रखने वाली योजना है।

-आदर अदीब पावेल बन्धु

दुर्भाग्य से आधुनिक ...

जगराम गुर्जर

सावन के मेले: आस्था के साथ आजीविका का भी आधार

सावन का महीना आते ही देश का वातावरण बदलने लगता है। मंदिरों में घंटियां गूंजती हैं, कांवड़ यात्राएं निकलती हैं, लोक गीतों की स्वर लहरियां हवा में घुल जाती हैं और गांवों से लेकर बड़े शहरों तक मेलों की रौनक छा जाती है। उत्तरी भारत के राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तखरांड समेत देश के अनेक राज्यों में सावन के अवसर पर लगने वाले मेले केवल धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजन नहीं होते बल्कि वे भारत की लोक संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के जीवंत केंद्र भी हैं।

जब हम किसी मेले में जाते हैं तो हमारी नजर सबसे पहले झूलों, दुकानों, रंग-बिरंगी रोशनी और भीड़ पर पड़ती है लेकिन इन सबके पीछे हजारों-लाखों परिवारों का श्रम, उम्मीद और आजीविका छिपी होती है। मेला समाप्त होने के बाद भी इन्हीं कमाई के सहारे अनेक परिवार कई महीनों तक अपना जीवन चलाते हैं। कोई भी एक मेला अपने भीतर रोजगार की पूरी श्रृंखला समेटे रहता है। विशाल झूले लगाने वाले परिवार, बच्चों के मनोरंजन के साधन संचालित करने वाले लोग, खिलौने बेचने वाले छोटे व्यापारी, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हार, लकड़ी और बांस के कारीगर, चूड़ियां, बिंदी, कपड़े, पूजा सामग्री और घरेलू उपयोग की वस्तुएं बेचने वाले दुकानदार, ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूह, खाने-पीने की चीजें बेचने वाले परिवार, लोक कलाकार, कठपुतली नचाने वाले, जादूगर, नट, बहरूपिए और हस्तशिल्पी आदि सभी के लिए मेला कमाई का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। विशेष रूप से ग्रामीण और कुटीर उद्योगों के लिए मेले किसी बड़े बाजार से कम नहीं हैं। गांवों में तैयार होने वाले हस्तनिर्मित उत्पादों की पहुंच अक्सर बड़े शहरों तक नहीं बन पाती, पर वे मेलों के माध्यम से सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचते हैं। इससे न केवल उत्पादों की बिक्री होती है बल्कि कारीगरों को अपनी कला दिखाने और नए ग्राहक बनाने का अवसर भी मिलता है। इसी कारण अनेक परिवार पूरे वर्ष सावन, नवरात्र, दशहरा, दीपावली आदि पर्वों पर लगने वाले मेलों की तैयारी करते रहते हैं। आज जब 'वोकल फॉर लोकल', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी उत्पादों' को बढ़ावा देने की बात हो रही है, तब मेलों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां खरीदा गया एक हस्तनिर्मित खिलौना, मिट्टी का दीपक, बांस की टोकरी, हाथ से बनी चूड़ियां या गांव की महिलाओं द्वारा तैयार कोई घरेलू उत्पाद केवल एक वस्तु नहीं होता बल्कि वह किसी परिवार की मेहनत, हुनर और सम्मान का प्रतीक होता है। हमारी छोटी-सी खरीद भी किसी कारीगर के घर में खुशियां ला सकती है। इन मेलों से होने वाला आर्थिक लाभ केवल दुकानदारों तक सीमित नहीं रहता। ट्रांसपोर्ट, टेंट, बिजली, सजावट, ध्वनि व्यवस्था, सफाई, स्थानीय मजदूर, होटल, ढाबे, चाय की दुकानें, ऑटो रिक्शा और अन्य अनेक छोटे व्यवसाय भी इससे जुड़े होते हैं। एक बड़ा मेला अपने आसपास के पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को गति देता है।

दुर्भाग्य से आधुनिक मॉल संस्कृति और ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते प्रभाव के बीच पारंपरिक मेलों से जुड़े अनेक परिवार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। बढ़ती लागत, सीमित सुविधाएं, मौसम की अनिश्चितता और बदलती उपभोक्ता आदतों ने उनकी मुश्किलें बढ़ाई हैं। ऐसे समय में यदि हम लोग इन मेलों को केवल मनोरंजन का माध्यम न मानकर स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत के रूप में देखे तो यह लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। यहां कहने का अभिप्राय यह नहीं कि लोग केवल सहानुभूति के कारण खरीदारी करें बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम यह समझें कि स्थानीय उत्पाद खरीदना, हस्तशिल्प को प्रोत्साहित करना और मेले से जुड़े छोटे कारोबारियों का सम्मान करना हमारी सांस्कृतिक और आर्थिक जिम्मेदारी भी है। इससे गांवों में रोजगार मजबूत होगा, पारंपरिक कौशल सुरक्षित रहेंगे और नई पीढ़ी भी अपने पुश्तैनी हुनर से जुड़ी रहेगी। यह हमारी धरोहर है और इसे कायम रखना हम सबका दायित्व है। सावन के मेले हमें केवल आस्था, उल्लास और लोक संस्कृति का अनुभव ही नहीं कराते बल्कि यह भी याद दिलाते हैं कि भारत की असली ताकत उसके गांवों, कारीगरों और मेहनतकश लोगों में बसती है। इस सावन जब भी किसी मेले में जाएं, वहां की रौनक का आनंद लें, लोक कलाकारों का उत्साह बढ़ाएं और यदि संभव हो तो स्थानीय कारीगरों व छोटे व्यापारियों से कुछ खरीदकर लौटें।

इसी कड़ी में ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

जनपद गाजियाबाद में अंत्योदय और समावेशी विकास से साकार होता दिव्यांगजन सशक्तिकरण

प्रदेश सरकार के सर्वांगीण और समावेशी विकास के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की गई है। 'सहानुभूति नहीं, अधिकार एवं अवसर' के प्रगतिशील विचार को अपनाते हुए प्रदेश सरकार द्वारा एक ऐसे बाधा-मुक्त और सुगम वातावरण का निर्माण किया जा रहा है, जहां प्रत्येक दिव्यांग नागरिक गरिमा, स्वाभिमान और पूर्ण आत्मनिर्भरता के साथ समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान दे सके। इस दिशा में प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी प्राथमिकताओं और पारदर्शी प्रशासनिक तंत्र के मार्गदर्शन में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी संकल्पना को साकार करते हुए जनपद गाजियाबाद ने 'सबका साथ, सबका विकास और अंत्योदय' के मूलभूत मंत्र को अपनाते हुए दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिला प्रशासन के निरंतर प्रयासों से परंपरागत दयाभाव की अवधारणा को पीछे छोड़ते हुए दिव्यांगजनों को पूर्ण आत्मसम्मान और स्वावलंबन युक्त जीवन प्रदान करने का एक सुदृढ़ मॉडल आकार ले चुका है। जिला प्रशासन द्वारा विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है।

जनपद गाजियाबाद में लागू की गई इस रणनीतिक कार्ययोजना के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला प्रशासन और सहयोगी संस्थाओं के परस्पर समन्वय से अब तक जनपद में दस हजार से अधिक दिव्यांगजनों को विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र, स्वास्थ्य कार्ड, राशन कार्ड और प्रामाणिक दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत किए जा चुके हैं। पारदर्शी व्यवस्था और त्वरित क्रियान्वयन के चलते जिले के दूरस्थ क्षेत्रों तक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुंच अत्यंत सुगम बन गई है।

प्रदेश सरकार की सबसे व्यापक सामाजिक सुरक्षा पहल के अंतर्गत दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना के माध्यम से पात्र नागरिकों को प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने और बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त करने के लिए यह धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जा रही है। इस आर्थिक संबल से जनपद के हजारों लाभार्थी अपने दैनिक जीवन-यापन को सुगमता से संचालित कर रहे हैं।

इसी कड़ी में कुष्ठ रोग से मुक्त हुए किन्तु दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति विशेष मानवीय संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें भी एक सम्मानजनक उच्चीकृत पेंशन राशि प्रदान की जा रही है। इस विशेष आर्थिक सहायता का मुख्य उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों का समाज में उचित पुनर्वास सुनिश्चित करना और उन्हें एक गरिमामय जीवन-यापन का अधिकार प्रदान करना है। आर्थिक सहायता के अतिरिक्त दिव्यांगजनों की भौतिक सुगमता और गतिशीलता बढ़ाने के लिए सहायक उपकरण योजना अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है।

जब राह धुंधली हो

भौतिक पदार्थों की चकाचौंध में फंसकर आदमी महत्वाकांक्षी होकर आपाधापी के भंवरजाल में भटकता रहता है और दुःखों को प्राप्त करता हैं । वह भावनाओं में सन्तुष्टि नही होती , और और कि आपाधापी सुख और शान्ति को लील जाती हैं । जीवन गतिशील हैं और उसमें परिवर्तन होता हैं । आज के इस आपाधापी के जीवन में कभी-कभी जब मन उचटा-उचटा सा लगने लगता है, ऐसा महसूस होने लगता है मानो सब तरफ प्रश्न ही प्रश्न बिखरे पड़े हैं। यहां तक कि जीवन भी एक प्रश्न हो गया है तो जवाब लेने के लिए मैंने स्वयं के अंदर झांका । तो वहां यह महसूस हुआ जो सब प्रश्नों का जवाब जानने के लिए जरूरी है , हम शुद्ध भावों से, पूरी लगन से, निष्ठापूर्वक, अनवरत, अग्रसर होवें । हम इस पंचम गुणस्थान से आगे के गुणस्थानों की यात्रा में चलें तो हमको सभी प्रश्नों का जवाब स्वतः मिलता जाएगा। वह अंत में गंतव्य पर आखिरी प्रश्न भी हल हो जाएगा। वह बेला भी आएगी ही आएगी जब हमारी आत्मा जीवन-मरण की प्रक्रिया से मुक्त हो जाएगी। हमको यह ध्यान रहे कि हमारी यह यात्रा न जाने कितने-कितने जन्मों की है। अतः हमको जरूरत हैं जीवन में असीम धैर्य और गहन आस्था रखने की हैं । जीवन की आपाधापी में एक बुजुर्ग जान ही नहीं पाया आज तक कि चुपके से कब उम्र उसकी बढ़ने को दस्तक दे दी । वह जब उम्र आ जाती है तो कुछ घटनाएं स्वतः ही घटित हो जाती हैं। एक दिन अकस्मात आईना उसने जब देखा तो चेहरे पर झुर्रियों की रेखा नज़र आई। हमने बहुत सोचा कि अचानक कहां से इनका आना हो गया है । किसी दूसरे बुजुर्ग ने उसको बताया कि ये तो तुम्हारी सारी जिन्दगी की भागदौड़ का मेहनताना हैं । अब समझ गया वह कि आखिरी मंजिल पाना अधिक दूर नहीं हैं । इसमें निराश होने की क्या बात है, यह तो एक न एक दिन हर एक के साथ निश्चित होना हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

स्थानीय जनता की...

अभिषेक सिंह, उपसंपादक

वरुणा नदी पर आधुनिक सेतु बना वाराणसी के विकास का नया प्रवेश द्वार'



उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद वाराणसी के लहरतारा-फुलवरिया-शिवपुर मार्ग पर वरुणा नदी पर सेतु एवं पहुँच मार्ग का निर्माण एक ऐसी महत्वपूर्ण परियोजना है, जिसने न केवल शहर की यातायात व्यवस्था को नई दिशा मिली है, बल्कि लाखों लोगों के दैनिक जीवन को भी आसान बना दिया है। लगभग 34.65 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह चार लेन का आधुनिक सेतु आज वाराणसी के समग्र विकास का एक सशक्त प्रतीक बन चुका है। वाराणसी देश का धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण नगर है। प्रतिदिन देश विदेश और प्रदेश के लाखों श्रद्धालु, पर्यटक, छात्र, कर्मचारी एवं व्यापारी किसान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आवागमन करते हैं। शहर के लंका, बीएचयू, रविन्द्रपुरी, भेलूपुर, सुंदरपुर, डीजल लोकोमोटिव वर्कस (डी0एल0डब्ल्यू) तथा नरिया जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों से बाबतपुर एयरपोर्ट और जौनपुर की ओर जाने के लिए लोगों को नदेसर-कचहरी मार्ग से होकर गुजरना पड़ता था। इस मार्ग पर अत्यधिक यातायात के कारण घंटों जाम लगा रहता था, जिससे लोगों का समय, ईंधन और श्रम तीनों व्यर्थ होते थे। बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया था।

स्थानीय जनता की वर्षों पुरानी आवश्यकता और भविष्य की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने लहरतारा-फुलवरिया-शिवपुर मार्ग पर वरुणा नदी के ऊपर आधुनिक सेतु के निर्माण की योजना बनाई गई। यह सेतु आधुनिक इंजीनियरिंग मानकों के अनुरूप निर्मित किया गया है। मुख्य पुल की लंबाई 107.38 मीटर है तथा इसका स्पैन विन्यास 4×25 मीटर रखा गया है। दोनों ओर लगभग 200-200 मीटर लंबे पहुँच मार्ग विकसित किए गए हैं, जिससे यातायात का प्रवाह निर्बाध बना रहे। पुल को चार लेन (7.50×2 मीटर) चौड़ाई के साथ विकसित किया गया है, जिससे वर्तमान ही नहीं बल्कि भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को भी सहजता से पूरा किया जा सके। इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ वाराणसी शहर और आसपास के क्षेत्रों की जनता को मिला है। पाँच लाख से अधिक आबादी प्रत्यक्ष रूप से इस सेतु का लाभ उठा रही है। लंका, बीएचयू, रविन्द्रपुरी, भेलूपुर, सुंदरपुर, डीएलडब्ल्यू, नरिया सहित अनेक क्षेत्रों के नागरिकों के लिए यह पुल दैनिक आवागमन का सबसे सुविधाजनक मार्ग बन गया है। अब लोगों को बाबतपुर एयरपोर्ट अथवा जौनपुर जाने के लिए भीड़भाड़ वाले पुराने मार्गों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। सेतु के निर्माण के बाद शहर के यातायात का दबाव विभिन्न मार्गों पर संतुलित हुआ है। पहले जहाँ लोगों को कई किलोमीटर लंबे जाम का सामना करना पड़ता था, वहीं अब यात्रा पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और सुगम हो गई है। कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, व्यापारी, मरीज और आपातकालीन सेवाओं से जुड़े वाहन सभी इस पुल का लाभ उठा रहे हैं। इससे यात्रा का समय कम हुआ है, ईंधन की बचत हुई है तथा प्रदूषण में भी कमी आई है।

बेहतर सड़क संपर्क किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास की आधारशिला होता है। इस सेतु के निर्माण के बाद आसपास के क्षेत्रों में व्यापार और व्यवसाय को नई गति मिली है। मालवाहक वाहनों की आवाजाही सरल हुई है, जिससे परिवहन लागत और समय दोनों में कमी आई है। स्थानीय व्यापारियों, छोटे उद्यमियों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को बेहतर संपर्क सुविधा मिलने से आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही आसपास के क्षेत्रों में निवेश और विकास की नई संभावनाएँ भी विकसित हुई हैं।

वाराणसी विश्वभर में अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध है। प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक और श्रद्धालु यहाँ आते हैं। बाबतपुर एयरपोर्ट से शहर के विभिन्न हिस्सों तक पहुँचने के लिए यह नया मार्ग अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ है। अब पर्यटकों को कम समय में अपने गंतव्य तक पहुँचने की सुविधा मिल रही है, जिससे उनकी यात्रा अधिक आरामदायक और सुगम बनी है। इससे शहर की पर्यटन व्यवस्था को भी मजबूती मिली है। इस परियोजना ने केवल एक पुल का निर्माण नहीं किया, बल्कि वाराणसी के शहरी विस्तार को भी नई दिशा प्रदान की है। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण आसपास के क्षेत्रों में आवासीय, व्यावसायिक तथा संस्थागत विकास की संभावनाएँ बढ़ी हैं। आधुनिक आधारभूत संरचना ने भविष्य के नियोजित विकास के लिए मजबूत आधार तैयार किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार की विकासोन्मुखी सोच और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का यह सेतु एक उत्कृष्ट उदाहरण है। गुणवत्तापूर्ण निर्माण, समयबद्ध कार्यान्वयन और जनसुविधा को केंद्र में रखकर तैयार की गई यह परियोजना बेहतर आधारभूत संरचना से आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। यह केवल नदी के दो किनारों को जोड़ने वाला पुल नहीं, बल्कि विकास, सुगम यातायात, आर्थिक प्रगति और जनसुविधा का मजबूत सेतु है। जाम से राहत, कम यात्रा समय, बेहतर संपर्क, आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि और आधुनिक शहरी विकास जैसे अनेक सकारात्मक परिणाम इस परियोजना की सफलता को प्रमाणित करते हैं।

इनमें मां-बाप, बेटा-बहू, 2 बच्चे, मकान ढहा, कई फीट मलबे में दबे...चीख भी नहीं पाए

परिवार के 6 लोगों की सोते वक्त मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में लगातार बारिश के बीच 100 साल पुराना मकान ढह गया। हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में माता-पिता, छोटा बेटा, बहू और उसके दो मासूम बच्चे शामिल हैं। 7 लोगों के परिवार में अब सिर्फ बड़ा बेटा जिंदा बचा है। बुधवार रात गर्मी और उमस के कारण परिवार के सभी 7 सदस्य AC वाले कमरे में सो रहे थे। रात करीब 2 बजे, जब सभी गहरी नींद में थे, तभी अचानक कमरे की छत भरभराकर गिर गई। किसी को संभलने या मदद के लिए चीखने तक का मौका नहीं मिला। छत गिरते



ही पूरा परिवार कई फीट ऊंचे मलबे में दब गया। बड़ा बेटा अमन कमरे के किनारे सो रहा था। वह किसी तरह मलबे से बाहर निकल आया और शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी को मलबे से निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मलबे में दबने और दम

पुश्तैनी मकान में रहता था परिवार, हाल में 75 लाख में जमीन बेची थी

■ प्रमोद श्रीवास्तव दो भाइयों में बड़े थे। छोटे भाई पवन ने अलग मकान बनवा रखा है। वे प्रतापगढ़ कचहरी परिसर में चाय की दुकान चलाते हैं। प्रमोद पुश्तैनी मकान में रहते थे और रिक्शा चलाकर परिवार पालते थे। उनकी पत्नी गृहिणी थीं। कुछ समय पहले दोनों भाइयों ने अपनी पैतृक जमीन करीब 75 लाख रुपए में बेची थी।

■ प्रमोद का मकान 1,300 वर्गफीट में बना था। इसमें दो कमरे, रसोई, शौचालय और बाथरूम थे। पूरे घर के चारों ओर बाउंड्रीवाल थी। तीन साल पहले मकान की पहली मंजिल की दीवारें खड़ी की गई थीं। आर्थिक तंगी के कारण उस पर लिंटर नहीं डल सका था। परिवार अब लिंटर डलवाने की तैयारी कर रहा था। प्रमोद के छोटे बेटे नितिन की अभी शादी नहीं हुई थी।

घुटने से उनकी मौत हो गई। हादसे में मकान मालिक प्रमोद श्रीवास्तव (60), उनकी पत्नी रीता (55), छोटा बेटा नितिन (25), बहू माधुरी (23) और माधुरी के दो बेटे माधव (2) व अद्विक (10 माह) की मौत हो गई।

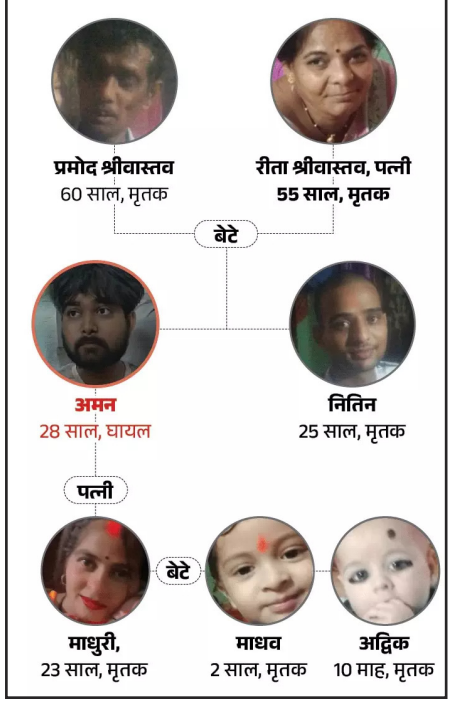


पुश्तैनी मकान में रहता था परिवार, हाल में 75 लाख में जमीन बेची थी

प्रमोद श्रीवास्तव दो भाइयों में बड़े थे। छोटे भाई पवन ने अलग मकान बनवा रखा है। वे प्रतापगढ़ कचहरी परिसर में चाय की दुकान चलाते हैं। प्रमोद पुश्तैनी मकान में रहते थे और रिक्शा चलाकर परिवार पालते थे।

उनकी पत्नी गृहिणी थीं। कुछ समय पहले दोनों भाइयों ने अपनी पैतृक जमीन करीब 75 लाख रुपए में बेची थी।

पूरा परिवार खत्म सिर्फ एक बेटा बचा



वाराणसी कोर्ट से गैंगरेप के आरोपी को जमानत

वाराणसी। वाराणसी कोर्ट ने मंडुवाडीह थाना क्षेत्र में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी को राहत दी। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफटीसी प्रथम) कुलदीप सिंह की अदालत ने प्रेमचंद्र नगर कॉलोनी, थाना लालपुर-पांडेयपुर निवासी आरोपित अभिषेक चौहान को एक-एक लाख रुपये की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता वरुण प्रताप सिंह व मनोज गुप्ता ने पक्ष रखा।

कोर्ट में दाखिल याचिका के आधार पर आरोपी को जमानत मिल गई है। पुलिस की रिपोर्ट और अभियोजन की दलीलें भी आरोपी की जमानत नहीं रोक पाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, महिला का आरोप है कि उसके पति के दो मित्र अक्सर उसके घर आते-जाते थे। 24 मई 2026 को कथित रूप से दोनों आरोपी उसके घर पहुंचे। आरोप है कि पति को शराब पिलाकर उसके साथ मारपीट की गई और इसके बाद दोनों ने महिला के साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया।

फास्ट न्यूज

वाराणसी में सीएनजी सिलेंडर से गैस रिसाव

वाराणसी। वाराणसी के बड़ागांव थाना क्षेत्र में बाबतपुर फोरलेन पर बुधवार देर रात सीएनजी सिलेंडर ले जा रहे वाहन से अचानक गैस रिसाव होने लगा। घटना वाराणसी एयरपोर्ट से करीब एक किलोमीटर पहले हुई, जिससे कुछ देर के लिए इलाके में हड़कंप मच गया। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को तुरंत सड़क किनारे खड़ा कर दिया और कंपनी व फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

1 लाख की फर्जी करेंसी के साथ तीन गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। मुज़फ़्फ़रनगर में गुरुवार शाम 4 बजे पुलिस लाइन में एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने नकली नोटों के अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा किया। बुढ़ाना थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 लाख की नकली भारतीय मुद्रा, एक वैगनआर कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में गिरोह के तार मेरठ, खतौली और बेंगलुरु तक जुड़े मिले हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक वैगनआर कार में सवार तीन युवक नकली नोट लेकर खतौली की ओर से आ रहे हैं।

श्मशान में 45 मिनट चीखी थी 10 साल की बच्ची

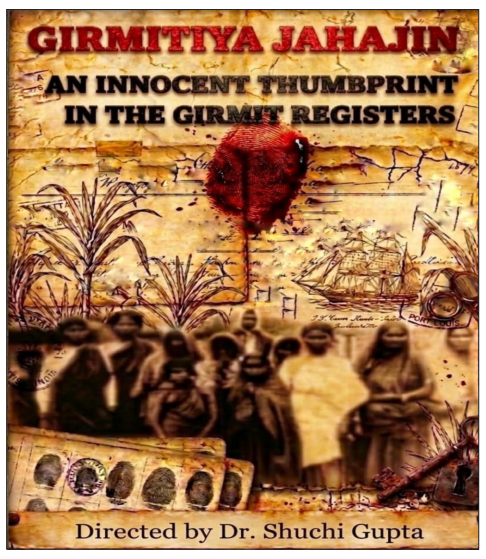
गोरखपुर। गोरखपुर में 10 साल की बच्ची से श्मशान में रेप-हत्या करने वाला सिपाही पुलिस लाइन से चाकू लेकर निकला था। उसने पहले से ये तय कर लिया था कि आज किसी लड़की के साथ गलत काम करूंगा। सिपाही अपनी पत्नी और 2 बच्चों से अलग रहता था। लड़कियों को तड़पता-चिल्लाता देखकर उसे अच्छा लगता था। घटना वाले दिन भी श्मशान घाट पर करीब 45 मिनट तक बच्ची दर्द से तड़पकर चीखती-चिल्लाती रही।

मुहूर्त समारोह सम्पन्न, इतिहास के अनदेखे पन्नों को वैश्विक पहचान दिलाने का होगा प्रयास

भारतीय गिरमिटिया महिलाओं के संघर्ष पर बनेगी अंतरराष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री 'गिरमिटिया जहाजिन'

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ में भारतीय गिरमिटिया महिलाओं के संघर्ष, त्याग और ऐतिहासिक विरासत पर आधारित अंतरराष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'गिरमिटिया जहाजिन' का मुहूर्त समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर डॉक्यूमेंट्री का आधिकारिक पोस्टर भी जारी किया गया, जिसमें गिरमिटिया इतिहास के दर्द, संघर्ष और सांस्कृतिक विरासत को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। आयोजकों ने इसे भारतीय प्रवासी इतिहास के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक पहल बताया। डॉक्यूमेंट्री की निर्देशिका डॉ. शुचि गुप्ता ने बताया कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रवासी भारतीयों के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की प्रेरणा से तैयार की जा रही है।



उन्होंने कहा कि 'गिरमिटिया जहाजिन' भारतीय गिरमिटिया महिलाओं के जीवन और संघर्ष पर केंद्रित विश्व की अपनी तरह की पहली डॉक्यूमेंट्री है।

औपनिवेशिक दौर की अनसुनी कहानियों को मिलेगी नई पहचान

डॉ. शुचि गुप्ता ने बताया कि डॉक्यूमेंट्री उन भारतीय महिलाओं की गाथा को दुनिया के सामने लाने का प्रयास है, जिन्हें औपनिवेशिक काल में गिरमिट (Indenture) प्रथा के तहत विभिन्न अंग्रेजी उपनिवेशों में मजदूर के रूप में भेजा गया था। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं ने कठिन परिस्थितियों में संघर्ष, साहस और आत्मबल का परिचय दिया, लेकिन इतिहास में उनके योगदान को वह स्थान नहीं मिल सका जिसके वे योग्य थीं। यह डॉक्यूमेंट्री उनके जीवन, त्याग और सांस्कृतिक योगदान को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास करेगी।

भारतीय प्रवासी इतिहास के संरक्षण की महत्वपूर्ण पहल

डॉ. शुचि गुप्ता ने कहा कि यह डॉक्यूमेंट्री केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय प्रवासी इतिहास के संरक्षण, दस्तावेजीकरण और नई पीढ़ी तक उसे पहुंचाने का एक गंभीर प्रयास है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह परियोजना गिरमिटिया महिलाओं के योगदान को अंतरराष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डॉक्यूमेंट्री के मुहूर्त समारोह में गौरव अग्रवाल, राज सुधीर सिंह, सूर्यांश सहित फिल्म से जुड़े कई प्रमुख सदस्य और सहयोगी उपस्थित रहे। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि 'गिरमिटिया जहाजिन' भारतीय गिरमिटिया महिलाओं के अदम्य साहस, संघर्ष और ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज साबित होगी।

पोस्टर में दिखी इतिहास की पीड़ा और संघर्ष की झलक

जारी किए गए आधिकारिक पोस्टर में गिरमिटिया इतिहास के कई महत्वपूर्ण प्रतीकों को कलात्मक और संवेदनशील तरीके से दर्शाया गया है। पोस्टर में गन्ने के खेत, अंग्रेजी उपनिवेशों की ओर बढ़ता समुद्री जहाज, महिलाओं का समूह, पुरानी चाबियां और ऐतिहासिक दस्तावेजों पर उभरता बड़ा अंगूठे का निशान प्रमुख रूप से दिखाई देता है।

पिता-पुत्री खुले नाले में गिरे, सीसीटीवी

नगर पालिका की लापरवाही पर सवाल, लोगों ने बचाई जान

तमसा संकेत, एजेंसी

हमीरपुर। हमीरपुर में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब अपनी पांच वर्षीय बेटी को मामा के घर छोड़ने जा रहा पिता बाइक समेत खुले नाले में गिर पड़ा। पिता-पुत्री की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने दौड़कर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में दोनों को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद नगर पालिका की टीम ने क्रेन की मदद से नाले में गिरी बाइक बाहर निकलवाई। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। यह मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के आदर्श नगर मोहल्ले का है। महिंद्रा एजेंसी में कार्यरत 35 वर्षीय नितिन सविता गुरुवार सुबह करीब 10 बजे अपनी पांच वर्षीय बेटी निति को उसके



मामा के घर छोड़ने जा रहे थे। इसके बाद उन्हें एजेंसी जाना था। इसी दौरान रास्ते में खुले नाले के पास संतुलन बिगड़ने से उनकी बाइक सीधे नाले में जा गिरी। नाले में गिरने के बाद पिता और बेटी मदद के लिए जोर-जोर से चिल्लाने लगे। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में दोनों को हल्की चोटें आई हैं। घटना के बाद मोहल्ले के लोगों में नगर पालिका के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली।

जिज्ञासा कोचिंग संस्थान ने मनाया नौवां स्थापना दिवस

निदेशक आकाश सर 'जिज्ञासा रत्न' से सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा-वृन्दावन। वृन्दावन स्थित जिज्ञासा कोचिंग संस्थान का नौवां स्थापना दिवस गुरुवार को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन से हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को यादगार बना दिया। मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी फरह प्रवीण झा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन, निरंतर परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के निदेशक आकाश सर ने विद्यार्थियों



को सफलता के मंत्र बताते हुए नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी। गणित के अध्यापक संस्कार शर्मा ने प्रतियोगी परीक्षाओं में गणित विषय को आसान बनाने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक चेतन राघव ने सभी अतिथियों का स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने बताया कि जिज्ञासा कोचिंग संस्थान से अब तक सैकड़ों छात्र-छात्राओं का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस, उपनिरीक्षक (दरोगा), शिक्षक सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं में हो चुका है, जो संस्थान की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत का प्रमाण है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (उपज) के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल एवं जिला महासचिव ठाकुर विष्णु पहलवान ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भारतीय प्रवासी इतिहास के संरक्षण की महत्वपूर्ण पहल बड़े भाई ने दी मुखाग्नि,

मर्चेंट नेवी अफसर का भैरव घाट पर हुआ अंतिम संस्कार



तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। यूक्रेन के ड्रोन हमले में जान गंवाने वाले मर्चेंट नेवी के चीफ अफसर सागर गुप्ता का गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे कानपुर के भैरव घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। बड़े भाई मनीष गुप्ता ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान परिवार के लोग मौजूद रहे। परिजनों ने आरोप लगाया कि सरकार से की गई उनकी एक भी मांग अब तक पूरी नहीं हुई। उनका कहना है कि 18 दिन पुराना शव होने की वजह से उसकी स्थिति ठीक नहीं थी, इसलिए अंतिम संस्कार करना पड़ा। परिवार ने सागर को शहीद का दर्जा, 2 करोड़ रुपए का मुआवजा



और उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। बुधवार शाम करीब 4 बजे सागर गुप्ता का पार्थिव शरीर कानपुर स्थित शास्त्री नगर आवास पहुंचा था। ताबूत देखते ही पत्नी शालू गुप्ता और मां रामादेवी उससे लिपटकर बेसुध हो गई थीं। घर में चीख-पुकार मच गई थी। भतीजी लक्ष्मी, भाभी ज्योति और बड़ी बहन पूजा भी फूट-फूटकर रो पड़ी थीं।

- बड़े भाई मनीष गुप्ता ने नेवी अफसर सागर गुप्ता को मुखाग्नि दी।
- सदर तहसील के तहसीदार विनय कुमार द्विवेदी ने परिजनों से मुलाकात की। उनका पक्ष सुना।

अंतिम यात्रा में बड़े अधिकारी नहीं पहुंचे

परिजनों का कहना है कि शास्त्री नगर स्थित घर से अंतिम यात्रा निकली तो काकादेव थाने की पुलिस मौजूद रही, लेकिन शासन-प्रशासन का कोई बड़ा अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि अंतिम संस्कार में कोई सांसद या विधायक भी शामिल नहीं हुआ। हालांकि समाजवादी पार्टी के नेता विनय गुप्ता, सम्राट विकास और पार्षद विनोद गुप्ता वहां मौजूद रहे। बुधवार को सागर की भतीजी लक्ष्मी गुप्ता ने सदर तहसीलदार विनय कुमार द्विवेदी को ज्ञापन सौंपा था। इसमें सागर को शहीद का दर्जा देने, 2 करोड़ रुपए का मुआवजा और उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी देने की मांग की गई थी।

मारपीट : कानपुर में पहले लात-घूसों से मारा, फिर लोहे की रॉड से किया हमला, सिर फटा

रेस्टोरेंट में 6 लड़कों ने एक युवक को पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में एक रेस्टोरेंट के अंदर 5-6 लड़कों ने एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर दी। पहले उसे जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा, फिर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। मारपीट में युवक के सिर में गंभीर चोट आई। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके दोस्त के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात करीब 10:30 बजे युवक अपने दोस्त से मिलने रेस्टोरेंट गया था। इसी दौरान एक युवक ने उसका मोबाइल छीन लिया। मोबाइल वापस मांगने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगे और विरोध करने पर 10-12 लड़कों ने उसे घेरकर पीटना शुरू कर दिया। घटना हनुमंत विहार थाना क्षेत्र की



है। वारदात रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। तौधकपुर के दीनदयाल पुरम निवासी रोशन खरे ने बताया- मेरा दोस्त रेस्टोरेंट में काम करता है। 5 अगस्त की रात करीब 10:35 बजे मैं उससे मिलने गया था। वह काम में व्यस्त था, इसलिए मैं वहीं बैठकर मोबाइल पर सीरियल देखने लगा। मेरे पास वाली टेबल पर 10-11 युवक बैठे थे।

मोबाइल मांगने पर कर दिया हमला

रोशन ने बताया- मैंने अपना मोबाइल वापस मांगा तो उन्होंने देने से मना कर दिया। कुछ देर बाद दोबारा मोबाइल मांगने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर 6-7 युवकों ने मुझे घेर लिया। इसी दौरान एक युवक ने कुर्सी से मेरे ऊपर हमला कर दिया। इसके बाद सभी मुझे पीटने लगे। उन्होंने मुझे जमीन पर गिरा दिया और लात-घूंसों के साथ लोहे की रॉड से हमला किया। इससे मेरे सिर में गंभीर चोट आई। रोशन ने बताया- मेरा दोस्त मुझे बचाने आया तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। इतना ही नहीं, उसे जबरन खींचकर ले जाने की भी कोशिश की। शोर सुनकर रेस्टोरेंट में मौजूद लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बीच-बचाव कर मुझे छुड़ाया, तब जाकर मेरी जान बची। जाते-जाते आरोपी धमकी देकर बोले कि अगर पुलिस में शिकायत की तो जान से मार देंगे।

वे आपस में गाली-गलौज करते हुए बात कर रहे थे। तभी उनमें से एक युवक आया और मेरे हाथ से मोबाइल छीन लिया।



हनुमंत विहार थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया- पीड़ित ने शिकायत दी है। रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सिद्धार्थ द्विवेदी उर्फ पासा, सिम्पी पांडेय, आदित्य धमनिया, छोटू और प्रांशु तिवारी समेत अन्य आरोपियों की पहचान कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राजपाल यादव के शाहजहांपुर वाले घर पर कुर्की का नोटिस

34 दिन में लोन नहीं चुकाया तो नीलामी, मां-पत्नी के नाम 16 करोड़ लोन लिया था

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शाहजहांपुर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने उनके पैतृक घर पर 16.61 करोड़ रुपए के बकाया लोन को लेकर कुर्की का नोटिस चस्पा किया है। बैंक ने चेतावनी दी है कि 34 दिन के भीतर लोन नहीं चुकाया गया तो संपत्ति नीलाम कर दी जाएगी। नीलामी की तारीख 9 सितंबर तय की गई है। हालांकि, कुछ देर बाद परिवार ने नोटिस हटा दिया। राजपाल यादव ने सेंट्रल बैंक की मुंबई ब्रांच से पत्नी राधा यादव और मां गोदावरी के नाम पर 16.61 करोड़ रुपए का लोन लिया था। इसी बीच, 27 दिन पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने चेक बाउंस मामले में उन्हें तीन महीने की जेल की सजा सुनाई थी।



फिलहाल वह जेल से बाहर हैं। उनके बड़े भाई श्रीपाल यादव ने कहा- यह पुराना मामला है। बैंक से लोन चुकाने को लेकर बातचीत चल रही है। मामला जल्द सुलझा लिया जाएगा। फिलहाल संपत्ति की नीलामी जैसी स्थिति नहीं है। सेंट्रल बैंक के मैनेजर अनुज वर्मा ने बताया- शाहजहांपुर के पैतृक गांव कुंद्रा स्थित भवन पर नोटिस लगाया गया है। बैंक ने करीब 2 साल पहले भी इसी मामले में नोटिस चस्पा किया था। तब राजपाल यादव और बैंक के बीच लोन चुकाने को लेकर सहमति बनी थी। राजपाल यादव को 7 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने चेक बाउंस के 7 मामलों में 3 महीने की जेल की सजा सुनाई थी। हर मामले में उन्हें शिकायतकर्ता को 1.05 करोड़ रुपए देने हैं। कुल रकम 7.35 करोड़ रुपए है। कोर्ट ने कहा था कि राजपाल करीब 2 करोड़ रुपए पहले ही चुका चुके हैं, जिसे कुल रकम में एडजस्ट किया जाएगा। यह मामला उनकी फिल्म 'अता पता लापता' से जुड़ा है। साल 2010 में फिल्म बनाने के लिए उन्होंने बतौर डायरेक्टर 5 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही और कर्ज की रकम समय पर नहीं चुकाई जा सकी। इसके बाद चेक बाउंस के मामले दर्ज हुए।

रेलवे ट्रैक किनारे मिला किसान का शव

सुल्तानपुर में खेत जाते समय ट्रेन की चपेट में आने की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर जिले के अखण्डनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह रेलवे ट्रैक किनारे एक किसान का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मीरपुर प्रतापपुर गांव निवासी 40 वर्षीय श्रीराम प्रजापति पुत्र राजेंद्र के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि धान के खेत में पानी देखने जाते समय वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। सुलतानपुर जिले के अखण्डनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह रेलवे ट्रैक किनारे एक किसान का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।



क्षेत्राधिकारी विनय कुमार ने बताया कि मामले में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि किसान की मौत ट्रेन की टक्कर से हुई या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

108 एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया, डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की सहायता से श्रीराम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अखण्डनगर पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सीएचसी अखण्डनगर के डॉक्टर सुधीर कुमार बरनवाल ने प्राथमिक परीक्षण के बाद श्रीराम की मृत्यु की पुष्टि की। मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद अखण्डनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन की चपेट में आने का प्रतीत हो रहा है। हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

धान के खेत में पानी देखने के लिए निकले थे किसान

परिजनों के मुताबिक श्रीराम प्रजापति गुरुवार तड़के अपने धान के खेत में पानी की स्थिति देखने के लिए घर से निकले थे। काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने उनकी तलाश शुरू कर दी। खोजबीन के दौरान परिजनों को बिलवाई रेलवे फाटक के पास जौनपुर-अयोध्या रेलवे ट्रैक के किनारे श्रीराम गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन की चपेट में आने का प्रतीत हो रहा है। हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

दिनदहाड़े प्राचीन गोपीनाथ मंदिर में चोरी, चांदी का मुकुट और बांसुरी ले गए बदमाश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा/शेरगढ़। कस्बा शेरगढ़ स्थित प्राचीन गोपीनाथ मंदिर में गुरुवार दोपहर बदमाशों ने ताला तोड़कर भगवान का चांदी का मुकुट, चांदी की बांसुरी और अन्य सामान चोरी कर लिया। पूरी वारदात मंदिर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मंदिर के गुसाईं खेमचंद ने बताया कि दोपहर में मंदिर के पट बंद कर वह भोजन के लिए गए थे। लौटने पर मंदिर का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो ठाकुरजी का चांदी का मुकुट और बांसुरी सहित अन्य सामान गायब था। इसके बाद तत्काल डायल-112 और शेरगढ़ पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में बिना नंबर प्लेट की हीरो होंडा बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवक पहले मंदिर के आसपास रेकी



करते और बाद में ताला तोड़कर चोरी करते दिखाई दे रहे हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। उनका कहना है कि कस्बे में पूर्व में भी मदनमोहन मंदिर में चोरी हो चुकी है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था नहीं बढ़ाई गई। लगातार हो रही मंदिरों में चोरी की घटनाओं से लोगों में भय का माहौल है।

फास्ट न्यूज

हुक्का बार पर पुलिस का छापा

कोल। अलीगढ़ के रोरावर थाना क्षेत्र में बुधवार रात पुलिस ने हुक्का बार और होटल पर छापा मारा। नादा चौराहे स्थित डाउन टू अर्थ हुक्का बार से संचालक समेत 19 युवकों को हिरासत में लिया गया। वहीं एसआर होटल का संचालक भी पुलिस ने पकड़ लिया। होटल में मौजूद युवक-युवतियां पुलिस के पहुंचने से पहले फरार हो गए।

25 करोड़ की सरकारी जमीन का 'खेल'

मुरादाबाद। मुरादाबाद में पीली कोठी के पास कांठ रोड स्थित नगर निगम की करीब 25 करोड़ रुपए कीमत की सरकारी जमीन को लेकर एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। पूर्व डीएम अनुज सिंह ने इस जमीन से शहर के एक होटल व्यवसायी का अवैध कब्जा हटवाकर जमीन नगर निगम को सौंप दी थी। राजस्व विभाग ने 600 वर्ग मीटर वाले इस भूखंड की बाउंड्री कराकर एक बोर्ड भी लगा दिया था, जिस पर मोटे अक्षरों में लिखा था- 'यह नगर निगम की संपत्ति है'। लेकिन 3-4 दिन पहले गुपचुप ढंग से सरकारी कर्मचारी ही इस बोर्ड को उखाड़कर ले गए हैं।

सुल्तानपुर में भारी बारिश से जलभराव

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में हुई भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। पिछले 24 घंटे में जिले में 13.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण गोसाईंगंज स्थित सिरवारा पुल का एक हिस्सा धंस गया है। इसके अलावा, स्कूलों और सड़कों पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। नवीन मंडी अमहट में भी पानी भर जाने से किसानों को सब्जी खरीदने और बेचने में परेशानी हुई।

स्वास्थ्य विभाग ने 14 शिविर लगाए, ऑक्सीजन और स्ट्रेचर के इंतजाम

कांवड़ियों को 24 घंटे मिलेगा इलाज

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को त्वरित और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले में प्रमुख कांवड़ मार्गों और विश्राम स्थलों पर कुल 14 अस्थायी स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए गए हैं। इन शिविरों में 24 घंटे डॉक्टर, फार्मासिस्ट और पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी रहेगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में शिवभक्तों को तुरंत इलाज मिल सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिल्ली रोड, कांठ रोड, अगवानपुर सहित कांवड़ यात्रा के प्रमुख मार्गों और विश्राम स्थलों को चिन्हित कर वहां मेडिकल शिविर लगाए गए हैं। इन शिविरों में कांवड़ियों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। यदि किसी श्रद्धालु की हालत गंभीर होती है तो उसे 108 एंबुलेंस की सहायता से तत्काल नजदीकी अस्पताल भेजा जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि सभी अस्थायी स्वास्थ्य शिविरों में मरीजों के लिए बेड, तीमारदारों के बैठने की व्यवस्था, कूलर, स्वच्छ पेयजल और विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर दी गई हैं। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। सभी स्वास्थ्य शिविरों की लगातार निगरानी की जाएगी और चिकित्सा टीमों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को समय पर और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।



ये तस्वीर कावंड यात्रा पर निकले शिव भक्तों की है।

बुखार से लेकर सांप के काटने तक के इलाज की तैयारी

शिविरों में बुखार, सर्दी-जुकाम, बदन दर्द, डिहाइड्रेशन, उल्टी-दस्त, एलर्जी, पैरों में छाले और मामूली चोटों के इलाज के लिए पर्याप्त दवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके अलावा टिटनेस इंजेक्शन, एंटी स्नेक वेनम, ओआरएस, पट्टियां और एंटीसेप्टिक दवाओं का भी पर्याप्त स्टॉक रखा गया है। गंभीर मरीजों को तत्काल एंबुलेंस से जिला अस्पताल या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा जाएगा।

ऑक्सीजन से लेकर प्राथमिक उपचार तक की पूरी व्यवस्था

इस बार स्वास्थ्य विभाग ने सामान्य दवाओं के साथ-साथ जीवनरक्षक चिकित्सा उपकरणों की भी पर्याप्त व्यवस्था की है। प्रत्येक स्वास्थ्य शिविर में ऑक्सीजन सिलेंडर, एम्बू बैग, पल्स ऑक्सीमीटर, बीपी मशीन, ग्लूकोमीटर, स्ट्रेचर और प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध रहेगी। अधिकारियों के अनुसार यदि किसी कांवड़िये को यात्रा के दौरान सांस लेने में परेशानी होती है या ऑक्सीजन का स्तर कम पाया जाता है, तो अस्पताल ले जाने से पहले मौके पर ही आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की जाएगी। इससे गंभीर मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा।

स्वर्णकार समाज ने कमलेश वर्मा के निधन पर जताया शोक

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। मथुरा में स्वर्णकार समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती कमलेश वर्मा के असामयिक निधन पर समाज में शोक की लहर दौड़ गई। स्वर्णकार समाज के विभिन्न संगठनों, पदाधिकारियों और गणमान्य लोगों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्रीमती कमलेश वर्मा सामाजिक एवं धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उन्होंने अपने जीवन में समाज सेवा और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया। उनके निधन से स्वर्णकार समाज को अपूरणीय क्षति पहुंची है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने



ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। श्रीमती कमलेश वर्मा के निधन पर स्वर्णकार समाज के कई वरिष्ठ सदस्यों, समाजसेवियों और गणमान्य नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में ओमप्रकाश वर्मा (पलसों वाले), दिनेश वर्मा, सत्येंद्र वर्मा, मुनेंद्र वर्मा, रामप्रकाश वर्मा, अजीत वर्मा, आशीष वर्मा, मिंकू वर्मा, तुलसीराम सोनी, सतीश वर्मा, कृष्णा वर्मा, लाला वर्मा और शिव कुमार सहित अनेक लोग शामिल रहे।

भाजपा नेता मेरुकांत पांडेय ने प्रदेश अध्यक्ष

उपमुख्यमंत्री मौर्य से मिलकर उठाईं बलदेव की समस्याएं

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव । भाजपा के वरिष्ठ नेता मेरुकांत पाण्डेय ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी व प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात कर धार्मिक स्थल बलदेव की विभिन्न मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा श्री दाऊजी महाराज की पावन नगरी बलदेव को तीर्थ स्थल घोषित किया है, सरकारी तंत्र की उदासीनता से नगर आज भी मूलभूत सुविधाओं से जनपद में पिछड़ा हुआ है। मेरुकांत पाण्डेय ने कहा प्रदेश सरकार द्वारा तीर्थ स्थलों पर सौंदर्यीकरण, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी व अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास कराया जा रहा है, बलदेव नगर सुविधाओं से वंचित है। संबंधित अधिकारी





मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप कार्य नहीं कर रहे हैं, नगर की उपेक्षा की जा रही है।

आगरा कैंट स्टेशन पर डीएस की पिटाई का मामला

1 महीने बाद भी जांच रिपोर्ट नहीं आई, पीड़ित बोला- जवानों को बचाने की कोशिश

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर 12 जुलाई को उप स्टेशन अधीक्षक (डीएस) नरेंद्र चाहर की कथित पिटाई के मामले में एक महीना बीत जाने के बावजूद जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो सकी है। मामले में देरी को लेकर अब पीड़ित अधिकारी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी रिपोर्ट जानबूझकर रोकी जा रही है, ताकि आरोपित आरपीएफ जवानों को बचाया जा सके। आगरा कैंट स्टेशन पर हुई इस घटना की गूंज संसद तक पहुंच चुकी है। राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने इस मामले को सदन में उठाते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। इस पर रेल मंत्री ने सदन में जवाब देते हुए बताया था कि मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है।



समिति जांच पूरी कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। रेल मंत्री ने यह भी कहा था कि रिपोर्ट इसी महीने आने की संभावना है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जांच अंतिम चरण में है। हालांकि, घटना से जुड़ी महिला यात्री रंजीता का बयान अभी तक दर्ज नहीं हो पाया है। अधिकारियों का कहना है कि समिति जल्द ही उनका बयान दर्ज करेगी, जिसके बाद जांच प्रक्रिया पूरी मानी जाएगी। रेलवे प्रशासन का दावा है कि सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष रिपोर्ट तैयार की जाएगी और उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। अब इस पूरे मामले में रेलवे कर्मचारियों, आरपीएफ और आम लोगों की नजरें जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं।

पीड़ित नरेंद्र चाहर का कहना है कि घटना की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति अपनी जांच पूरी कर चुकी है। समिति के दो सदस्यों ने रिपोर्ट पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं, लेकिन तीसरे सदस्य, जो आरपीएफ कमांडर हैं, उन्होंने अब तक रिपोर्ट पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इसी कारण जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हो पा रही है और कार्रवाई भी लंबित है। नरेंद्र चाहर का आरोप है कि हस्ताक्षर न किए जाने के पीछे दोषी जवानों को बचाने की मंशा हो सकती है। उनका कहना है कि यदि जांच निष्पक्ष हुई है।

सीसीटीवी फुटेज और 24 लोगों के बयान दर्ज

नरेंद्र चाहर के अनुसार, जांच समिति ने पूरे मामले की गंभीरता से जांच की। समिति कई बार घटनास्थल पर पहुंची और प्लेटफॉर्म का निरीक्षण किया। घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की गई। इसके अलावा रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित कुल 24 लोगों के बयान दर्ज किए गए। उनका दावा है कि जांच से जुड़े सभी महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए जा चुके हैं और रिपोर्ट भी तैयार है, लेकिन अंतिम हस्ताक्षर न होने के कारण उसे जारी नहीं किया जा रहा।

'कार्रवाई नहीं हुई तो करेंगे आंदोलन'

जांच रिपोर्ट में हो रही देरी से नाराज नरेंद्र चाहर ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही निष्पक्ष जांच रिपोर्ट जारी कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि सबसे पहले संबंधित अधिकारियों को शांतिपूर्ण ढंग से ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि इसके बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो व्यापक स्तर पर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

क्या मुझे रिजिजू से ...

सत्ता पक्ष हमारे सांसदों का अपमान कर रहा है। मैं सिर्फ अमित शाह के संसद में आकर जवाब देने की मांग कर रहा हूं। इस सदन में जेटली जी ने खुद कहा था कि रुकावट लोकतंत्र का हिस्सा है।' इस पर रिजिजू ने कहा- कांग्रेस अध्यक्ष विपक्ष के नए सदस्यों को बोलने का मौका ही नहीं दे रहे हैं। एक ही मुद्दे पर बार-बार बोलकर समय बर्बाद कर रहे हैं। पवन खेड़ा कांग्रेस के नए सांसद है। संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर मैं सदन में उन्हें सम्मानित करना चाहता हूं। लेकिन दिक्कत यह है खेड़ा को अब तक वेलकम स्पीच देने तक का मौका नहीं मिला। राज्यसभा में दोपहर 2.45 दोबारा कार्यवाही शुरू हुई, लेकिन विपक्ष के हंगामा के बाद सभापति ने शुक्रवार 11 बजे तक स्थगित कर दिया। लोकसभा में दोपहर 2 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई। सदन में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधन और अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे ध्वनि मत से पास हुआ। इसके बाद लोकसभा कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। भाजपा सांसद रेखा शर्मा ने विपक्ष पर संसद की कार्यवाही रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में खड़गे हर दिन एक ही बात दोहराते हैं। संसद के मानसून सत्र के बीच केंद्रीय कैबिनेट की बैठक संसद भवन में शुरू हो गई है। बैठक में सरकार के कई अहम विधायी और नीतिगत मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। संसद परिसर में मीडिया ने भाजपा सांसद रवि किशन से कई सवाल पूछे, लेकिन उन्होंने किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। वह पूरे समय कैमरे के सामने चुपचाप खड़े रहे और मुस्कुराते रहे। इस दौरान उनके आसपास मौजूद कुछ लोगों ने मजाकिया अंदाज में कहा- बोल नहीं रहे हैं... मौन व्रत है। इससे पहले 4 अप्रैल को रवि किशन ने संसद परिसर में मीडिया के सवालों पर कहा था- आज हमारा मौन व्रत है। पंडित जी ने कहा है कि आज चुप रहिए। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। वहीं 5 अप्रैल को वह फिर मीडिया के सामने आए, लेकिन इस बार मुंह पर उंगली रखकर चुप रहने का इशारा किया और बिना कुछ बोले वहां से चले गए। रवि किशन पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर अपने बयानों और डांस को लेकर चर्चा में हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बहस और नारेबाजी के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2:15 बजे तक स्थगित कर दी गई है। गृह मंत्री अमित शाह संसद पहुंच हए हैं। आज लोकसभा में फॉरेन कॉन्ट्रिब्यूशन (रेगुलेशन) संशोधन बिल (FCRA Amendment Bill) पर चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, इस बिल पर बहस के दौरान अमित शाह जवाब दे सकते हैं। विपक्ष लगातार सदन में उनकी गैरमौजूदगी का मुद्दा उठा रहा है। FCRA कानून तय करता है कि भारत के कौन-से NGO, ट्रस्ट और सामाजिक या धार्मिक संगठन विदेश से फंड ले सकते हैं और उसका इस्तेमाल कैसे करेंगे। इसका मकसद विदेशी फंड के गलत इस्तेमाल को रोकना और राष्ट्रीय सुरक्षा व सार्वजनिक हित की रक्षा करना है। राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे से दोबारा शुरू हो गई है। इस दौरान विपक्ष ने हंगामा किया। विपक्ष की तरफ से कई मुद्दों पर नारेबाजी और हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही शुरू होने के करीब आधे घंटे बाद सभापति ने स्थगन की घोषणा की। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को संसद भवन में INDIA ब्लॉक के नेताओं के साथ बैठक की। इसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, गौरव गोगोई, केसी वेणुगोपाल सहित सपा और विपक्षी दलों के अन्य नेता शामिल हुए।

जेन-जी हमारी ...

अगर आप नया सिस्टम ला रहे हैं, तो पहले सोसाइटी को उसके लिए तैयार करना होगा। 10. महिलाओं के नेतृत्व परः महिलाओं की भागीदारी के बारे में सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के परिप्रेक्ष्य में यह तय है कि उन्हें आगे आना चाहिए। उन्हें समान अधिकार मिलें, उन्हें बराबरी का हक मिले। Gen-Z के इस अनोखे ताली बजाने के तरीके को 'फिंगर क्लैप' या 'माइक्रो क्लैप' कहा जाता है। इसमें हथेलियां नहीं, बल्कि उंगलियों से हल्की चुटकी जैसी आवाज निकालकर सहमति और सराहना जताई जाती है।

प्रदर्शनकारी छात्र

दावा किया गया कि उसने सिर्फ 48 सवाल हल किए, फिर भी वह मेंस के लिए चुन लिया गया। वहीं, रिजल्ट पर आयोग के अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होने को लेकर भी सवाल उठे। विवाद बढ़ने के बाद JPSC ने मेंस परीक्षा रद्द कर दी। मुख्यमंत्री की वार्ता का संदेश लेकर एसडीओ कुमार रजत और एडीएम धनंजय कुमार बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे जयपाल सिंह स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने छात्रों को सीएम का संदेश दिया। सीएम ने छात्रों से बातचीत के लिए चार मंत्रियों की कमेटी बनाई। इसमें उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, कल्याण मंत्री चमरा लिंडा और उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव को शामिल किया गया है। सीएम ने बुधवार दोपहर अपने आवास पर इन मंत्रियों के साथ बैठक की। इसमें छात्रों से बातचीत पर चर्चा हुई। इसके बाद छात्र नेताओं को बातचीत का बुलावा भेजा गया।

यूपी में बना घुमंतू ...

CM योगी ने कहा- क्रिमिनल ट्राइब का कलंक आंबेडकर ने मिटाया, मोदी सरकार ने सम्मान दिया CM योगी ने आगे कहा कि जिन्हें कांग्रेस और सपा ने कभी नहीं पूछा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें पूजने का काम किया है। सरकार के लिए जनता सिर्फ एक 'वोट बैंक' नहीं, बल्कि जनार्दन है। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस फैसले से समाज में बड़ा बदलाव आ रहा है।असीम अरुण ने कहा लोग अब कहने लगे हैं कि यह समाज अब घुमंतू नहीं, 'टिकंतू' बन रहा है। अब इनके पास अपना पक्का मकान है, बिजली है और कमाई के साधन हैं। जल्द ही एक स्पेशल टास्क फोर्स बनाकर इनके शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए विस्तृत प्लान तैयार किया जाएगा। सुभाष जोगी ने कहा, 'हम तो बस झंडे पकड़कर चलने वाले मजदूर थे। अंग्रेजों के बाद देश आजाद हुआ, पर हमारी किस्मत नहीं बदली। 2014 में मोदी जी और अब योगी जी ने हमारी सुध ली है।' शिवपूजन राम ने कहा, '1967 में मुझे जाति प्रमाण पत्र नहीं मिला था क्योंकि रिकॉर्ड ही नहीं था। सालों तक सरकारों को खत लिखे, पर किसी ने नहीं सुना। आज जाकर हमारी मांग पूरी हुई है।' राजेश (सपेरा समाज) ने कहा, 'सावन के पावन महीने में हमारे समाज पर खुशियों की बारिश हुई है। अब हमारे बच्चों के पास घर, शौचालय और पढ़ाई की सुविधा पहुँच रही है।' CM योगी ने याद दिलाया कि सरकार ने उपेक्षित वर्गों के नायकों का सम्मान किया है। श्रृंगवेरपुर में भगवान राम और निषादराज की प्रतिमा, बहराइच में महाराजा सुहेलदेव स्मारक, और वीरांगना अवंतीबाई लोधी, ऊदा देवी पासी व झलकारी बाई के नाम पर महिला पुलिस बटालियन का गठन इसी कड़ी का हिस्सा है।

पत्रकार तेजपाल...

हाईकोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट ने सबूतों की बजाय घटना के बाद पीड़ित महिला के व्यवहार पर ज्यादा ध्यान दिया। साथ ही, तेजपाल के माफी मांगने वाले ई-मेल जैसे अहम सबूतों को भी सही अहमियत नहीं दी। कोर्ट ने तेजपाल को IPC की धारा 376(2)(f), 376(2)(k), 354A और 354B के तहत दोषी माना है। ये धाराएं रेप, यौन उत्पीड़न और महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला करने से संबंधित हैं। ट्रायल कोर्ट ने 21 मई 2021 को तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। इस फैसले को गोवा सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सरकार का तर्क था कि निचली अदालत ने सबूतों को सही से नहीं समझा और पीड़ित की गवाही का गलत आकलन किया।

ब्रोंको टेस्ट के लिए 40 सेकेंड कम मिलेंगे, टीम इंडिया में गिर रहा था फिटनेस लेवल

बीसीसीआई ने फिटनेस टेस्ट को कठिन बनाया

मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट पास करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक BCCI ने ब्रोंको टेस्ट का बेस टाइम 6 मिनट से घटाकर 5 मिनट 15 सेकंड से 5 मिनट 20 सेकेंड कर दिया है। अब खिलाड़ियों को 1200 मीटर की दौड़ इस तय समय के भीतर पूरी करनी होगी।

साथ ही 2 किलोमीटर दौड़ (2K टेस्ट) के लिए 9 से 10 मिनट की समय सीमा तय की गई है। पहले क्रिकेटरों की फिटनेस के लिए यो-यो टेस्ट होता था, लेकिन अब उसकी जगह ब्रोंको टेस्ट को प्राथमिक फिटनेस टेस्ट बना दिया गया है। बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) ने खिलाड़ियों में लगातार बढ़ती इंजरी और गिरते फिटनेस स्टैंडर्ड को देखते हुए यह बदलाव किया है। BCCI ने टीम मैनेजमेंट और मेडिकल टीम के बीच बेहतर तालमेल के लिए नए बेस पैरामीटर्स (न्यूनतम मापदंड) भी तय किए हैं। खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने और इंग्लैंड के अनुकूल मौसम में भी मांसपेशियों में खिंचाव यानी क्रैम्प्स की शिकायतों के बाद BCCI सेक्रेटरी देवजीत सैकिया और टीम मैनेजमेंट ने टीम के फिजियो कमलेश जैन से जवाब-तलब किया है। उन्हें साफ कहा गया है कि किसी भी खिलाड़ी के कद या स्टार स्टेटस की परवाह किए बिना फिटनेस में कमी दिखे तो उसकी तुरंत जानकारी दें। मैनेजमेंट का मानना है कि कई खिलाड़ियों की मैदान पर मोबिलिटी घटी है और लंबे समय तक बल्लेबाजी के दौरान सीनियर बल्लेबाजों को दौड़कर रन लेने में परेशानी हो रही है।



बुमराह श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) और टीम मैनेजमेंट के बीच तालमेल की कमी भी सामने आई है। बुमराह को 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज के पहले मैच तक फिट करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन CoE ऐसा नहीं कर सका। वहीं सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को नए फिटनेस पैरामीटर्स की जानकारी भी देर से मिली। मोहम्मद सिराज जब श्रीलंका दौरे से पहले CoE पहुंचे तो अचानक ब्रोंको और 2K टेस्ट कराए जाने से हैरान रह गए। अब गैर-टेस्ट खिलाड़ियों को भी इन्हीं नए मानकों के अनुसार तैयारी करने के लिए कहा गया है।

हर्षित और नीतीश को अनफिट के बावजूद क्लियरेंस मिली थी

BCCI सूत्रों के मुताबिक पिछले एक साल में फिटनेस टेस्ट के मानकों का सख्ती से पालन नहीं किया गया। कुछ सीनियर खिलाड़ियों को पास कराने के लिए अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य दिए गए। टीम मैनेजमेंट की मांग पर CoE स्टाफ ने हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद क्लियरेंस दे दी थी।

इंग्लैंड दौरे के दौरान हर्षित राणा को वापस भेजा गया था। तब दावा किया गया था कि उनका वजन तय सीमा से ज्यादा है। टीम मैनेजमेंट के अनुसार उनका वजन 97 किलो था। अब CoE ने उनका वजन 96 किलो से कम रखने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल उनका वजन 94 किलो है और अगले हफ्ते तक उन्हें फिट घोषित किया जा सकता है।



कमलेश जैन साल 2022 में नितिन पटेल की जगह टीम इंडिया के फिजियो बने थे।

अबु धाबी के यशराज को किस्मत ने बनाया क्रिकेटर

बेंगलुरु, एजेंसी



साल 2023 की गर्मियों की बात है। 17 साल के यशराज पुंजा मेडिकल की पढ़ाई के लिए ब्रिटेन जाने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन, बेंगलुरु की एक ट्रिप ने उनकी जिंदगी का रुख ही बदल दिया। मेडिकल की किताबों से लेकर राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में लेग स्पिन गेंदबाजी करने तक, 20 वर्षीय यशराज का यह 3 साल का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। अबु धाबी में रहने वाले यशराज भारत में पेशेवर क्रिकेट खेलने की कोई योजना नहीं बना रहे थे। गर्मियों की छुट्टियों में वह बेंगलुरु आए और खुद को फिट रखने के लिए कर्नाटक के पूर्व कप्तान कार्तिक जसवंत की एकेडमी से 15 दिनों के लिए जुड़ गए। उनकी बेहतरीन गेंदबाजी ने कोचों का ध्यान खींचा। एक हफ्ते बाद शहर में राजस्थान रॉयल्स का कैंप था। यशराज ने माता-पिता को मनाया और कैंप में हिस्सा लिया। अपनी सटीकता और टर्न से उन्होंने टीम के स्काउट्स को प्रभावित किया और आईपीएल 2024 से पहले एक नेट बॉलर के रूप में रॉयल्स से जुड़ गए। यशराज ढाई साल तक रॉयल्स के साथ नेट बॉलर रहे। 2026 की नीलामी में रॉयल्स ने उन्हें 30 लाख रुपए में अपने खेमे में शामिल कर लिया। 19 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उन्होंने ईडन गार्डन्स में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में डेब्यू किया। युजवेंद्र चहल को आदर्श मानने वाले यशराज ने अनिल कुंबले, राशिद खान और रवि बिश्नोई जैसे दिग्गजों से भी टिप्स लिए। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने उन्हें सिखाया कि सपाट पिचों पर हमेशा विकेट के पीछे भागने की बजाय बल्लेबाजों को रन बनाने से रोकना भी एक शानदार आक्रामक रणनीति है।

तन्वी शर्मा कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

श्रेयांशी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया पिछले हफ्ते ताइपे ओपन जीता था

नई दिल्ली, एजेंसी



भारत की 17 साल की बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा का शानदार फॉर्म जारी है। पिछले हफ्ते ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली तन्वी ने अब कोरिया मास्टर्स 2026 के महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आसान में खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने हमवतन श्रेयांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया। दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले की शुरुआत में श्रेयांशी ने बढ़त बनाई, लेकिन तन्वी ने जल्द ही वापसी करते हुए मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। दमदार मूवमेंट और आक्रामक स्ट्रोक्स के दम पर उन्होंने पहला गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम में श्रेयांशी ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने मिड-गेम ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली और आखिर तक दबदबा बनाए रखते हुए 21-17 से गेम जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में तन्वी पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाई और श्रेयांशी को वापसी का मौका नहीं दिया। वर्ल्ड रैंकिंग में 30वें नंबर की तन्वी ने तीसरा गेम 21-13 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

श्रीलंका इलेवन से होगी भिड़ंत, 15 अगस्त से शुरू होगी सीरीज

श्रीलंका टेस्ट से पहले वार्म अप मैच खेलेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका दौरे पर गई भारतीय टीम शुक्रवार से कोलंबो में तीन दिवसीय वार्म-अप मैच खेलेगी। मुकाबला नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब मैदान पर श्रीलंका इलेवन के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारियों का अहम हिस्सा होगा।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों का सबसे बड़ा फोकस स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तकनीक को और मजबूत करना रहेगा।

हाल के महीनों में भारत को घरेलू टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्पिन के सामने संघर्ष करना पड़ा था। श्रीलंका की परिस्थितियां भी स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती हैं और मेजबान टीम के पास घरेलू हालात का फायदा उठाने वाले अनुभवी स्पिनर मौजूद हैं। ऐसे में पहले टेस्ट से पहले यह अभ्यास मैच भारतीय बल्लेबाजों के लिए खुद को परखने और कमजोरियों पर काम करने का अच्छा मौका होगा। सिराज और कुलदीप यादव को छोड़ दें तो गेंदबाजी आक्रमण अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। हालांकि, गुरनूर बराड़ और सारांश जैन ने पिछले महीने गॉल में इंडिया-ए की ओर से श्रीलंका-ए के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। दोनों गेंदबाज अब सीनियर टीम के साथ भी अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम की तैयारियों पर मौसम का असर पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार से कोलंबो में रुक-रुककर बारिश होने की संभावना है। यदि बारिश होती है तो वार्म-अप मैच का खेल प्रभावित हो सकता है, जिससे टीम इंडिया की टेस्ट सीरीज से पहले की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है।



> चोट के कारण जसप्रीत बुमराह इस दौरे का हिस्सा नहीं हैं। उनकी गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज पर होगी। उनके साथ प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मानव सुथार और सारांश जैन गेंदबाजी विभाग में नजर आएंगे।

बल्लेबाजों ने पहले से की स्पिन की तैयारी

कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल समेत टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने कोलंबो रवाना होने से पहले अपने-अपने घरेलू सेंटर पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ विशेष अभ्यास किया था। भारत ने श्रीलंका में पिछली टेस्ट सीरीज 2017 में खेली थी। पिछले आठ सालों में भारतीय टीम में बड़े बदलाव हुए हैं। मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में केवल केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है।

मनोरंजन

'सलमान से खास कनेक्शन काम नहीं आया'

कियारा आडवाणी बोलीं-कई बार रिजेक्ट हुई, लोग 'कबीर सिंह' मेरी पहली फिल्म समझते हैं

नई दिल्ली। आज कियारा आडवाणी बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। बड़े बैनर, करोड़ों की फिल्में और देशभर में करोड़ों प्रशंसक उनके नाम हैं। हालांकि, फिल्म इंडस्ट्री में सलमान खान से खास कनेक्शन होने के बावजूद उनके लिए सफलता की राह आसान नहीं रही। पहली ही फिल्म फ्लॉप हो गई, महीनों तक काम नहीं मिला, 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी सुपरहिट फिल्म के बाद भी उन्हें ऑडिशन देने पड़े और कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा। यही वजह है कि आज भी कई लोग 'कबीर सिंह' को उनकी पहली फिल्म समझते हैं। फैशन इंडस्ट्री में भी उन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। 31 जुलाई 1992 को मुंबई में जन्मीं कियारा आडवाणी का असली नाम आलिया आडवाणी है। उनके पिता जगदीप आडवाणी बिजनेसमैन हैं, जबकि मां जेनेवीव जाफरी टीचर रह चुकी हैं। जेनेवीव जाफरी अभिनेता सईद जाफरी के भाई हमीद जाफरी और उनकी पहली पत्नी वैलेरी की बेटी हैं। बाद में हमीद जाफरी ने अशोक कुमार की बेटी भारती गांगुली से शादी की थी। कियारा का परिवार फिल्मी दुनिया से सीधे तौर पर जुड़ा नहीं था, लेकिन बॉलीवुड से परिचय बचपन से था। कियारा ने बताया है कि वह बचपन में आईने के सामने फिल्मों के सीन दोहराती थीं और स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेती थीं। तभी उन्होंने फिल्मों में काम करने का सपना देखा। उन्होंने कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल से पढ़ाई और जय हिंद कॉलेज से मास कम्युनिकेशन में ग्रेजुएशन किया। 10वीं बोर्ड परीक्षा में उनके 92% अंक आए थे। फिल्मों में आने से पहले कियारा अपनी मां के प्री-स्कूल में छोटे बच्चों को पढ़ाती थीं। Film Companion को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उन्हें बच्चों के साथ समय बिताना पसंद था। कुछ समय यह काम करने के बाद उन्होंने फिल्मों में आने के लिए ऑडिशन देना शुरू कर दिया।

अक्सर माना जाता है कि सलमान खान के परिवार से रिश्तों की वजह से कियारा को फिल्मों में आसानी से एंट्री मिली, लेकिन असलियत अलग है।

> कियारा का असली नाम आलिया था। बॉलीवुड में कदम रखने की तैयारी के दौरान आलिया भट्ट पहले से स्थापित थीं, इसलिए सलमान खान ने उन्हें नाम बदलने की सलाह दी। कियारा ने 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में बताया था कि फिल्म 'अंजाना अंजानी' में प्रियंका चोपड़ा के किरदार 'कियारा' से प्रेरित होकर उन्होंने नया नाम चुना।



'टॉक्सिक' दुनिया भर के सिनेमाघरों में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

प्रदीप रावत के निधन पर खुलासा

आईसीयू में दिया गया सीपीआर

एक महीने पहले ब्लड कैंसर का पता चला

मुंबई, एजेंसी



मुंबई में मंगलवार शाम दिग्गज अभिनेता प्रदीप रावत का 74 साल की उम्र में निधन हो गया। सरफरोश, लगान और गजनी जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय करने वाले रावत के निधन से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। चार दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने हिंदी, क्षेत्रीय सिनेमा और टेलीविजन में काम किया। बुधवार दोपहर मुंबई में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर समेत फिल्म जगत के कई लोग शामिल हुए। अभिनेता के बेटे विक्रमादित्य रावत ने अंतिम संस्कार के बाद मीडिया से बात करते हुए बताया कि परिवार को पहले लगा था कि उन्हें पेट का मामूली संक्रमण है। हालांकि, बाद में डॉक्टरों ने उन्हें ब्लड कैंसर होने की पुष्टि की। विक्रमादित्य ने बताया कि दो महीने पहले ही उनके पिता की मेडिकल रिपोर्ट पूरी तरह सामान्य थी।

विक्रमादित्य ने पिता के अंतिम पलों को याद करते हुए कहा कि 4 अगस्त को उनकी प्लेटलेट्स गिरकर 3 हजार रह गई थी, जबकि यह 3 लाख से ऊपर होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वे आईसीयू के बाहर इंतजार कर रहे थे और अंदर डॉक्टर उन्हें सीपीआर दे रहे थे।



एक्ट्रेस जिया शंकर ने की बॉयफ्रेंड से सगाई

करण के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की

नई दिल्ली। एक्ट्रेस और 'बिग बॉस OTT 2' की पूर्व कंटेस्टेंट जिया शंकर ने अपने बॉयफ्रेंड करण के साथ सगाई कर ली है। जिया ने सोशल मीडिया पर सगाई की तस्वीरें शेयर करके अपने रिश्ते का आधिकारिक तौर पर ऐलान किया है।

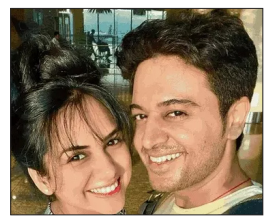
सनसेट के दौरान आउटडोर लोकेशन पर हुए इस प्रपोजल की झलकियों के साथ जिया ने अपने मंगेतर के लिए एक इमोशनल नोट भी लिखा है। इस पोस्ट के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उनके फैन्स और दोस्त कपल को बधाइयां दे रहे हैं।

शेयर की गई तस्वीरों में जिया और करण एक-दूसरे के साथ बेहद खुश नजर आ रहे हैं। करण ने जिया को डूबते सूरज की रोशनी में एक आउटडोर लोकेशन पर अंगूठी पहनाकर प्रपोज किया।

एक फोटो में जिया सरप्राइज होकर अपनी डायमंड एंगेजमेंट रिंग दिखाती नजर आ रही हैं। इस खास मौके पर जिया ने पेस्टल येलो कलर का सैटिन गाउन पहना था, जबकि करण बेज शर्ट और व्हाइट ट्राउजर में नजर आए। जिया ने सोशल मीडिया पर करण के नाम एक भावुक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, ₹हो सकता है कि यह सच हो, आपको प्यार तब मिलता है जब आप इसकी सबसे कम उम्मीद करते हैं। भले ही तुम मुझसे हजारों मील दूर थे, लेकिन तुमसे हुई हर बातचीत ने घर जैसा अहसास कराया।₹ जिया ने आगे लिखा कि यह सफर आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने हर दिन एक-दूसरे को चुना। उन्होंने करण को अपना बेस्ट फ्रेंड बताते हुए उनके साथ अपनी आगे की जिंदगी बिताने की बात कही।

'गौरव खन्ना को टीआरपी के लिए तलाक नहीं दिया'

नई दिल्ली, एजेंसी



एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला ने पति और एक्टर गौरव खन्ना से अपने तलाक को लेकर खुलकर बात की है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने उन खबरों को खारिज किया जिनमें दावा किया जा रहा था कि उन्होंने लॉक-अप शो में टीआरपी या पब्लिसिटी पाने के लिए अलग होने का ऐलान किया था।

आकांक्षा ने साफ किया कि तलाक की कानूनी प्रक्रिया शो में जाने से पहले ही शुरू हो चुकी थी। अब दोनों पक्षों के वकील मामला लगभग तय कर चुके हैं और सिर्फ आखिरी पेपर्स पर साइन होना बाकी है। आकांक्षा ने खुलासा किया कि वे गौरव खन्ना पिछले 18 महीनों से एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं। दोनों के बीच कोई कड़वाहट या नफरत नहीं है और वे अब भी आपस में बातचीत करते हैं। हालांकि, दोनों की जिंदगी को लेकर सोच और प्राथमिकताएं काफी अलग हो चुकी हैं। इसी वजह से दोनों ने आपसी सहमति से एक-दूसरे से अलग होने और अपनी जिंदगी अलग रास्ते पर जीने का फैसला किया है। हाल ही में लॉक अप शो के दौरान आकांक्षा ने अपने पति गौरव खन्ना से अलग होने का एलान किया था। अपने को-कंटेस्टेंट्स श्रेया कालरा और सूफी मोतीवाला से बातचीत में उन्होंने इसकी वजह का खुलासा किया था। शो में जब गौरव खन्ना पहुंचे थे, तब दोनों के बीच काफी बातचीत हुई थी।

> प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब आकांक्षा से पूछा गया कि क्या तलाक की घोषणा किसी तरह की स्ट्रेटजी थी, तो उन्होंने कहा कि कोई भी लड़की इतने बड़े प्लेटफॉर्म पर जाकर पब्लिसिटी के लिए अपने पति से अलग होने की बात नहीं कहेगी।
>
> उन्होंने कहा कि लोग अगर ऐसा सोच रहे हैं तो वे उनकी लीगल टीम से बात कर सकते हैं। जब दो एक्टर्स शादी करते हैं या अलग होते हैं, तो लोग हर बात को पब्लिसिटी मान लेते हैं, जो गलत है।



घायल सैनिकों से मैरिज के मामले बढ़े, अस्पताल और सेना पर भी मिलीभगत के आरोप

रूस - मौत के मुआवजे के लिए शादी कर रही महिलाएं

घोटाला

मॉस्को, एजेंसी

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूस में एक नया घोटाला सामने आया है। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक कुछ महिलाओं पर आरोप है कि वे युद्ध पर जाने वाले सैनिकों से जल्दबाजी में शादी करती हैं और उनकी मौत के बाद मिलने वाले सरकारी मुआवजे पर कब्जा कर लेती हैं।

रूसी मीडिया और अधिकारी ऐसी महिलाओं को 'ब्लैक विडो' कह रहे हैं। रूस में हाल के महीनों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें सैनिकों ने मोर्चे पर जाने से ठीक पहले या अस्पताल में मौत से पहले शादी की। इस पूरे स्कैम में अस्पताल से लेकर सेना तक पर मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं।



रूस में मुआवजे के लिए शादी करने के मामलों की कोई आधिकारिक संख्या जारी नहीं की गई है। हालांकि रूसी अदालतों में ऐसे कई मामले पहुंच चुके हैं।

सबसे चर्चित मामले में एक सैन्य अस्पताल की नर्स पर आरोप लगा कि उसने इलाज करा रहे पांच घायल सैनिकों से अलग-अलग समय पर शादी की। आरोप था कि सैनिकों की मौत के बाद वह उनका मुआवजा लेना चाहती थी। मामला सामने आने के बाद उसे नौकरी से निकाल दिया गया। आरोप है कि कुछ महिलाएं इसी पैसे के लालच में अकेले, बुजुर्ग या कमजोर सैनिकों को शादी के लिए फंसाती हैं। सैनिक की मौत के बाद पूरा मुआवजा पत्नी को मिल जाता है। परिवार के बाकी लोगों को कुछ भी नहीं मिल पाता। फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस ने सेना में भर्ती होने वाले लोगों के लिए शादी के नियम आसान कर दिए।



रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में डिजिटल स्क्रीन पर रूसी सेना की ड्रोन यूनिट में कॉन्ट्रैक्ट भर्ती का विज्ञापन दिखाया जा रहा है। इसमें वेतन की जानकारी भी दी गई है।

> **रूस में युद्ध में मारे गए सैनिक के परिवार को सरकार की ओर से कम से कम 50 लाख रूबल (करीब 62 लाख भारतीय रुपए) की एकमुश्त मदद मिलती है। कई अन्य भुगतान और बीमा जोड़ दिए जाएं तो यह रकम और भी ज्यादा हो सकती है।**

पिता की मौत के बाद बेटी को पता चला- दो दिन पहले हुई थी शादी

सेंट पीटर्सबर्ग की रहने वाली मारिया को सेना ने बताया कि उनके 59 साल पिता यूरी की यूक्रेन युद्ध में गोली लगने से मौत हो गई। लेकिन उन्हें सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब पता चला कि युद्ध पर भेजे जाने से सिर्फ दो दिन पहले उनके पिता ने शादी कर ली थी।

मारिया का कहना है कि उन्होंने उस महिला का नाम पहले कभी नहीं सुना था। वह उनके पिता से 22 साल छोटी थी। शादी के बाद वही कानूनी रूप से यूरी की सबसे करीबी रिश्तेदार बन गई और सरकारी मुआवजे की हकदार भी।

मारिया का आरोप है कि उनके पिता के साथ धोखा हुआ। उनका यह भी दावा है कि पिता का फ्लैट भी बेच दिया गया और अब उनके पास पिता की याद में सिर्फ उस घर की चाबियां बची हैं, जो अब किसी काम की नहीं हैं।

'द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा हमला'

किसके दबाव में ईरान बातचीत के लिए हुआ तैयार



वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने फिर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान पर दूसरे विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा हमला करने ही वाला था, लेकिन आखिरी वक्त पर ईरान ने बातचीत के लिए संपर्क किया।

उन्होंने दावा किया कि बड़े पैमाने पर सैन्य हमले की संभावना ने ईरान को बातचीत की मेज पर लौटने के लिए मजबूर किया।

बुधवार को लास वेगास में एक कार्यक्रम में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान के अधिकारियों ने नियोजित ऑपरेशन से ठीक पहले उनसे संपर्क किया था। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने मुझे फोन किया और कहा, कृपया ऐसा न करें, आइए बात करते हैं।

ट्रंप के मुताबिक, अमेरिका के लगातार सैन्य दबाव के कारण ही ईरान बातचीत की मेज पर लौटा।

ट्रंप ने कहा कि वह कूटनीति के लिए तैयार हैं, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं होगा। मैं समझौता करना पसंद करूंगा क्योंकि मैं लोगों की जान नहीं लेना चाहता, लेकिन ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते।

इससे पहले मंगलवार को ट्रंप ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रैट को खोलने पर बातचीत में काफी प्रगति हुई है और कल या परसों में समझौते का एलान हो सकता है। वहीं ईरान ने भी बातचीत की पुष्टि की है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि ईरान और ओमान अंतिम चरण में हैं।

फास्ट न्यूज

मिशिगन प्राइमरी जीतकर अब्दुल अल-सईद ने रचा इतिहास

वाशिंगटन। अमेरिका अपने पहले मुस्लिम सीनेटर को चुनने के करीब पहुंच गया है। मिशिगन से डेमोक्रेटिक नेता अब्दुल अल-सईद ने 2026 चुनाव चक्र की सबसे चर्चित प्राइमरी में पार्टी के बड़े नेताओं के समर्थन वाली चार बार की प्रतिनिधि हेली स्टीवंस को हरा दिया है। अगर अल-सईद नवंबर में रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स को हरा देते हैं, तो वह अमेरिकी राजनीति में 250 साल का रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

अमेरिका ने सख्त किए इमीग्रेशन रूल्स

वॉशिंगटन। अमेरिका ने इमिग्रेशन से जुड़े फायदों के लिए प्रोसेसिंग के नियमों को सख्त कर दिया है। अब इमिग्रेशन अधिकारी वीजा, ग्रीन कार्ड, नागरिकता और इमिग्रेशन से जुड़े दूसरे फायदों के लिए अधूरे या बिना जरूरी दस्तावेजों वाले आवेदनों को बिना अतिरिक्त सबूत मांगे ही रिजेक्ट कर सकते हैं। यह बदलाव तुरंत लागू हो गया है और इससे अमेरिका में पढ़ाई, काम या बसने की चाह रखने वाले हजारों भारतीय आवेदकों पर असर पड़ सकता है। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज ने घोषणा की है कि आवेदकों को आवेदन करते समय ही इमिग्रेशन से जुड़े फायदे के लिए अपनी पात्रता साबित करनी होगी।

'ईरान को सीरिया जैसा बनाने की कोशिश की'

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बुधवार को राष्ट्र के नाम दिए संबोधन में कई बड़ी बात कही और दुश्मनों को कड़ा संदेश भी दिया। साथ ही उन्होंने देश के नए सुप्रीम लीडर और लोगों की एकजुटता की भी तारीफ की। पेजेशकियन ने कहा कि दुश्मन ताकतों ने युद्ध, प्रतिबंधों और राजनीतिक दबाव के जरिए इस्लामिक रिपब्लिक को अस्थिर कर सीरिया जैसा हाल करने की कोशिश की थी, लेकिन ईरानी लोगों की एकता और नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के नेतृत्व के कारण ये साजिशें नाकाम हो गईं।

महल छोड़ सेना में शामिल हुई डेनिश राजकुमारी इसाबेला

कोपेनहेगन, एजेंसी



डेनमार्क के शाही परिवार में ऐतिहासिक पल आया। किंग फ्रेडरिक X और क्वीन मैरी की 19 साल की बेटी प्रिंसेस इसाबेला ने 3 अगस्त को 11 महीने की मिलिट्री सर्विस शुरू कर दी।

वह डेनमार्क के शाही परिवार की पहली महिला सदस्य हैं जिन्हें पूरी एक्टिव मिलिट्री भर्ती दी जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, हाई स्कूल से ग्रेजुएट होने के कुछ हफ्ते बाद ही इसाबेला स्लैगेल्से के एंटवोर्सकोव बैरक में गार्ड हुसार रेजिमेंट में रिपोर्ट करने पहुंचीं।

अपने पहले दिन प्रिंसेस ने लो-प्रोफाइल रखा। वह खुद काली SUV चलाकर बैरक पहुंचीं। पहनावा भी आम लड़कियों जैसा था। एंट्रेंस पर उन्होंने ड्यूटी पर तैनात गार्ड को अपनी पहचान दिखाई। कुछ लोकल जर्नलिस्ट और फोटोग्राफर मौजूद थे। अंदर जाने से पहले प्रिंसेस ने उनसे थोड़ी देर बात भी की। इसाबेला अपने बड़े भाई क्राउन प्रिंस क्रिश्चियन के नक्शेकदम पर चल रही हैं। क्रिश्चियन ने भी इसी बैरक में सर्विस पूरी की थी और अब सेकंड लेफ्टिनेंट की ट्रेनिंग ले रहे हैं। डेनमार्क के शाही परिवार के सदस्य पारंपरिक रूप से आर्म्ड फोर्सेज़ में काम करते आए हैं, लेकिन एक्टिव 11 महीने की भर्ती पूरी करने वाली पहली महिला इसाबेला ही हैं।

दूसरे रिक्रूट्स से अलग, प्रिंसेस इसाबेला को कोई सैलरी या डेली अलाउंस नहीं मिलेगा। डेनमार्क के शाही परिवार ने कन्फर्म किया है कि इसाबेला ने पैसे लेने से मना कर दिया है।

पत्थर-पेट्रोल बम फेंके, शेख हसीना के इवेंट में शामिल होने से कट्टरपंथी नाराज थे

बांग्लादेश में क्रिकेटर शाकिब अल-हसन के घर पर हमला

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई।

शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस के अफसर मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं।

हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। दावा किया जा रहा है कि इसके लिए हमलावर कोल्डड्रिंक की बोतलों में पेट्रोल भरकर लाए थे। हमले के वक्त घर खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। शाकिब ने सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलना नहीं छोड़ा है। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई थी। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान शाकिब पर आरोप लगे कि उन्होंने अवामी लीग के सांसद होने के कारण चुप्पी साधे रखी। हसीना सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश में अवामी लीग नेताओं और सांसदों के घरों पर कई जगह हमले हुए। इनमें शाकिब का मगुरा वाला घर भी शामिल था। तब भी वे घर पर मौजूद नहीं थे। शाकिब अल हसन के खिलाफ हत्या, गबन, धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग समेत कई मामलों की जांच चल रही है। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए। इनमें सबसे चर्चित मामला छात्र आंदोलन के दौरान एक व्यक्ति की मौत से जुड़ा है। 5 अगस्त को मोहम्मद रुबेल नाम के एक गारमेंट फैक्ट्री कर्मचारी की अडाबोर इलाके में मौत हो गई थी। इसके बाद रुबेल के पिता रफीकुल इस्लाम ने शेख हसीना और शाकिब अल-हसन समेत 156 लोगों पर हत्या का मामला दर्ज कराया था। शिकायत में कहा गया है कि नामजद नेताओं और सांसदों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आदेश और उकसावे पर प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी हुई, जिसमें रुबेल की मौत हुई।



हसीना की वर्चुअल मीटिंग में शामिल हुए थे शाकिब

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार शाम करीब 6.45 बजे को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे। हालांकि इस शाकिब ने इस दौरान भाषण नहीं दिया। शाकिब जनवरी 2024 में अवामी लीग के टिकट पर सांसद चुने गए थे। लेकिन छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद से वह बांग्लादेश से बाहर हैं।



शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए।

सरकार की पकड़ कमजोर, बलूचिस्तान-खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ी चुनौती

पाकिस्तान के 4 में से 2 सूबों में बागी तेवर

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के चार सूबे हैं। इनमें से बलूचिस्तान सूबे में अलगाववादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) ने विद्रोह का झंडा बुलंद किया हुआ है। खैबर पख्तूनख्वा सूबे में अफगान तालिबान का दबदबा है। आए दिन तालिबान के हमलों से यहां पाक फौज के पांव उखड़ रहे हैं। बलूचिस्तान को पाकिस्तान के खनिजों की खदान भी कहते हैं। बात शुरू की तो खुजदार शहर के युवक मोमिन का पाक सरकार पर गुस्सा फूट पड़ा। मोमिन कहते हैं यहां के ग्वादर पोर्ट पर चीन का कब्जा है।

चीन ने सीपैक के नाम पर यहां लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। ग्वादर पोर्ट पर चीन की फिशिंग बोट्स का कब्जा है। स्थानीय बलूच मछुआरों को चीनी बोट्स खदेड़ देती हैं। इनकी बोट्स बड़ी और ज्यादा पावर वाली होती हैं। ज्यादातर बलूच मछुआरों के पास अब भी पालदार नौकाएं हैं। बलूच बेरोजगार हो रहे हैं। 55 साल के असलम का कहना है कि यहां के रेयर अर्थ मिनरल पर अमेरिका का कब्जा है। पाक आर्मी चीफ मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने मिनरल की नुमाइश करते हैं। इस खजाने पर केवल बलूचों का हक है।



बलूचिस्तान- पाक के हाथ से 70% क्षेत्र गया

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है। यह देश के करीब 45% हिस्से में फैला है और इसकी सीमा ईरान से लगती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान और वीरान पहाड़ हैं। लेकिन इन दिनों इस वीराने में सबसे ज्यादा गूंज गोलियों की सुनाई देती है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) के लड़ाके अलग देश की मांग को लेकर लड़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बलूच लड़ाकों और पश्तून (पठान) विद्रोहियों का सूबे के करीब 70% हिस्से पर कब्जा है।

अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि पाकिस्तानी सेना कितने विद्रोहियों को मार रही है या पकड़ रही है। असली सवाल यह है कि क्या सरकार यहां पुलिस थाने चला पा रही है? क्या हाईवे सुरक्षित हैं? क्या बाजार खुल रहे हैं? और क्या लोग बिना डर के एक शहर से दूसरे शहर जा सकते हैं? बलूचिस्तान के कई इलाकों में हथियारबंद लड़ाके बेखौफ होकर क्वेटा, खुजदार और मस्तुंग जैसे शहरों में घुसते हैं। पुलिस थानों और सरकारी दफ्तरों पर हमले करते हैं। कई जगह BLA के लड़ाके और पश्तून गुट सड़कों पर अपने नाके लगा लेते हैं। वहां से गुजरने वाले वाहनों की तलाशी लेते हैं और खुलेआम वसूली करते हैं। यही पैसा BLA के फंड में जाता है।

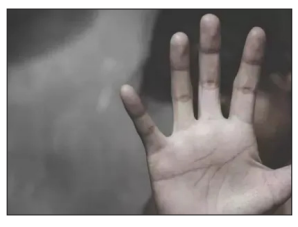
खैबर पख्तूनख्वा यहां तालिबानी शरिया सरकार काबिज

खैबर पख्तूनख्वा पाकिस्तान का फ्रंटियर यानी सरहदी इलाका है। डूरंड लाइन पाक और अफगानिस्तान को अलग करती है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के पांच साल में खैबर के अधिकांश इलाके में इन्हीं का दबदबा है। खैबर में पाक सरकार के कानून नहीं तालिबान का शरिया चलता है। दरअसल, इस इलाके में विभाजन के समय से ही कबिलाई व्यवस्था लागू रही है। स्वात, सैदू, मिंगोरा और मर्दन में 'लोया जिरगा' के जरिए ही कानून चलता है। ये जिरगा असल में शरिया कानून को लागू करती है। अफगान तालिबान इसका संरक्षक है। अफगान तालिबान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) संगठन को अपने ठिकानों में पनाह देता है। इमरान खान की सरकार ने 2021 में TTP के साथ सुलह की कोशिश की, लेकिन इमरान की गद्दी जाते ही TTP ने खैबर में अपने दबदबे को और बढ़ा लिया है। खैबर के वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना कई सैन्य ऑपरेशन कर चुकी है, लेकिन यहां अब TTP काबिज है। आए दिन TTP के हमलों के कारण स्कूल और कॉलेज बंद रहते हैं। पंजाब और सिंध के मूल निवासी कर्मचारी खैबर में अपनी पोस्टिंग नहीं चाहते हैं।

पेन्सिलवेनिया में भारतीय मूल के मकान मालिक पर केस

महिला किराएदार को प्रताड़ित करने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी



पेन्सिलवेनिया में भारतीय मूल के मकान मालिक वेंकटचलम मणि के खिलाफ अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस (DOJ) ने संघीय मुकदमा दायर किया है। उन पर एक महिला किराएदार का सेक्शुअल हैरेसमेंट करने और मना करने पर उससे बदला लेने का आरोप है।

पेन्सिलवेनिया के मिडिल डिस्ट्रिक्ट US डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर केस के मुताबिक, स्टेट कॉलेज बरो में एक किराए की प्रॉपर्टी के मालिक मणि ने महिला किराएदार के साथ बार-बार अनचाहे सेक्शुअल ऑफर किए। शिकायत में अनचाहे सेक्शुअल टचिंग का भी जिक्र है।

शिकायत में कहा गया है कि जब महिला ने मणि के ऑफर को ठुकरा दिया तो उन्होंने मेंटेनेंस की रिक्वेस्ट नजरअंदाज करनी शुरू कर दी। इसमें सर्दियों में टूटे हुए फर्नेस की मरम्मत भी शामिल थी।आगे चलकर उसी फर्नेस में आग लग गई, जिसके बाद महिला और उसके बच्चों को घर छोड़कर जाना पड़ा।

जस्टिस डिपार्टमेंट के सिविल राइट्स डिवीजन की असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल हरमीत के. ढिल्लों ने कहा,मकान मालिक ने बहुत ज्यादा ठंड होने के बावजूद किराएदार का फर्नेस ठीक नहीं किया क्योंकि महिला ने उनके सेक्शुअल ऑफर को मना कर दिया था।

इससे उसके परिवार को दूसरी जगह न होने के कारण घर छोड़ना पड़ा। यह काम गैर-कानूनी है।

पड़ताल : हेलिकॉप्टर के पास से उड़ी कमर्शियल फ्लाइट, एफएए ने जांच शुरू की

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की सुरक्षा में चूक

लन्दन, एजेंसी

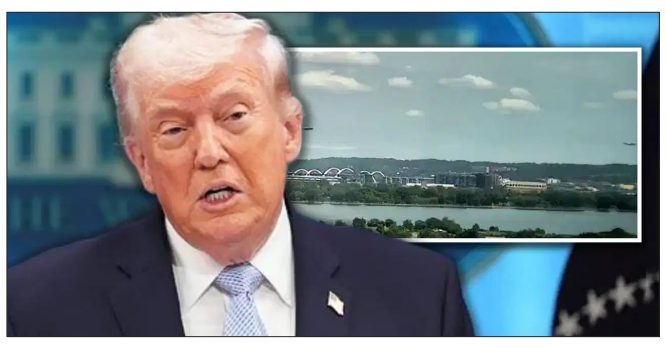
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आधिकारिक हेलिकॉप्टर मरीन वन की उड़ान के दौरान सुरक्षा में चूक हुई है। मंगलवार को व्हाइट हाउस से उड़ान भरते समय मरीन वन और एक यात्री विमान तय सुरक्षा दूरी से ज्यादा करीब आ गए। इसके बाद अमेरिकी विमानन नियामक FAA ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। ट्रम्प व्हाइट हाउस से जॉइंट बेस एंड्रूज जा रहे थे। उसी समय एनवॉय एयर का एक यात्री विमान भी रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भर गया।

FAA की शुरुआती जांच में पता चला कि दोनों विमान एक-दूसरे के सबसे करीब आने पर सिर्फ 1.3 किलोमीटर की दूरी पर थे। उनकी ऊंचाई में भी महज 700 फीट का अंतर रह गया था। अधिकारियों का कहना है कि दोनों विमान टक्कर की दिशा में नहीं थे और राष्ट्रपति की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं हुआ।

FAA के नियम के मुताबिक, ऐसे हालात में दो विमानों के बीच कम से कम 2.4 किलोमीटर की दूरी या ऊंचाई में 500 फीट का अंतर होना जरूरी है।

इस मामले में दोनों विमानों की ऊंचाई का अंतर तय सीमा से ज्यादा था, लेकिन उनके बीच की दूरी घटकर करीब 1.3 किलोमीटर रह गई। इसी वजह से FAA ने इसे 'लॉस ऑफ सेफ सेपरेशन' यानी तय सुरक्षा दूरी का उल्लंघन माना है।



एटीसी को तीन बार सूचना दी, जवाब नहीं मिला

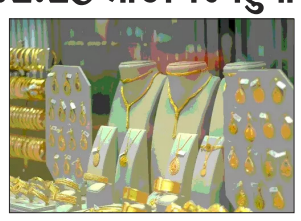
द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, उड़ान से पहले मरीन वन के क्रू ने कंट्रोल टावर को तीन बार बताया कि हेलिकॉप्टर तीन मिनट में उड़ान भरेगा। लेकिन रेडियो पर संदेश साफ नहीं सुनाई दिया। कंट्रोलर की ओर से भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। इसके बाद मरीन वन ने तय कार्यक्रम के मुताबिक उड़ान भर ली। कुछ देर बाद कंट्रोलर ने हेलिकॉप्टर को पास में उड़ान भर चुके यात्री विमान की जानकारी दी। पायलट ने बताया कि उसे दूसरा विमान दिखाई दे रहा है। इसके बाद हेलिकॉप्टर ने थोड़ी देर रुककर आगे उड़ान जारी रखी।

> **वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, मरीन वन की उड़ान के दौरान रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानों को कुछ देर के लिए रोक दिया जाता है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। एयर ट्रैफिक कंट्रोल समय पर उड़ानें नहीं रोक सका। इसी वजह से यात्री विमान ने भी टेकऑफ कर लिया एफएए अब यह पता लगा रहा है कि सुरक्षा प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं हुआ और एयर ट्रैफिक कंट्रोल से चूक कैसे हुई।**

सोने की कीमत 2,735 बढ़कर 1.48 लाख हुई

चांदी आज 931 बढ़कर 2.25 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी



सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 6 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,735 रुपए बढ़कर 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

एक किलो चांदी की कीमत 931 रुपए बढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 6 दिन में ही सोना 5,501 और चांदी 7,198 रुपए महंगी हो चुकी है। अमेरिकी डॉलर का कमजोर होना: डॉलर के कमजोर पड़ने से डॉलर में कीमत वाली सोना-चांदी विदेशी खरीदारों के लिए सस्ती हो जाती है, जिससे मांग बढ़ती है। इससे भी सोने-चांदी को सपोर्ट मिल रहा है। ऑलटाइम हाई से काफी नीचे आए सोना-चांदी: 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई पहुंच गए थे। तक से इनकी कीमत काफी नीचे आ चुके हैं, ऐसे में निवेशक इसमें खरीदारी कर रहे हैं। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 15 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 5 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.25 लाख रुपए पर है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676